DE GROUP
We Define Estate

Gandivaranchi
बिरसा का गांडीव

injection.care
PHARMACY
+91 95070 00009 | injection.care

रांची, अगहन, शुक्ल पक्ष, एकादशी 2082 | मंगलवार, 02 दिसंबर 2025, मूल्य: ₹2, वर्ष : 7, अंक: 18 | RNI NO : JHABIL/2019/85684 | TOTAL PAGE-08 | www.gandivlive.com

# रांची में फेमा के तहत ईडी की बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर मारा छापा

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम यानी फेमा के तहत ईडी ने झारखंड सहित 15 ठिकानों पर एक साथ रेड किया है। मंगलवार की सुबह ईडी ने झारखंड के चर्चित सीए नरेश केजरीवाल के झारखंड से लेकर सूरत तक के ठिकानों पर एक साथ छापेमारी शुरू की है। ईडी से मिली जानकरी के अनुसार यह रेड 15 ठिकानों पर एक साथ किया जा रहा है, जिनमें रांची, मुंबई और सूरत भी शामिल हैं।

ईडी ने झारखंड में पहली बार फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट के तहत छापेमारी की है। झारखंड में ईडी के द्वारा फेमा के तहत की जाने वाली यह पहली छापेमारी है। आपको बता दें कि नरेश केजरीवाल झारखंड के चर्चित सीए हैं। मंगलवार के अहले सुबह एजेंसी की टीमों ने रांची स्थित नरेश के घर और दफ्तर पर अचानक छापेमारी शुरू की। साथ ही रांची में केजरीवाल का चर्च कॉम्पलेक्स स्थित कार्यालय सहित उनके कई आवास पर भी एक साथ छापेमारी की गई।

दरअसल, इनकम टैक्स के द्वारा की गई छापेमारी के दौरान मिले तथ्य और जानकारी के आधार पर ईडी ने फेमा के तहत मामले की जांच शुरू की थी। ईडी के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के दौरान केजरीवाल के द्वारा विदेशों में धन निवेश किए जाने के कई सबूत मिले हैं। जो पैसे विदेश में निवेश किए गए हैं, वो असम का है, उनमें झारखंड में विभिन्न स्त्रोतों से कमाई गई काली कमाई भी शामिल हैं।

## फेमा के तहत ऐसे कारवाई करती है ईडी

जानकारों ने बताया कि फेमा के तहत ईडी की कार्रवाई विदेशी मुद्रा प्रबंधन से संबंधित नियमों के उल्लंघन की जांच, गिरफ्तारी, जब्ती और दंडात्मक उपायों को शामिल करती हैं। ईडी फेमा के तहत विदेशी मुद्रा के हवालों, फंड की अनिमितता, निर्यात आय की गैर-प्राप्ति और अन्य प्रकार के उल्लंघनों की संदेहास्पद गतिविधियों की जांच करता है।

जांच के दौरान ईडी को पूछताछ, सूचनाएं मंगवाने, दस्तावेज की जब्ती और संबंधित व्यक्तियों के बयान दर्ज करने का अधिकार होता है। ईडी फेमा के तहत उल्लंघनों की पुष्टि होने पर संबंधित व्यक्ति को शो कॉज नोटिस जारी करती है, जिसमें उल्लंघनों के आरोप होते हैं और सुनवाई का अवसर दिया जाता है। इसके बाद ईडी दंडात्मक कार्रवाई कर सकता है, जिसमें आर्थिक दंड, संपत्ति की जब्ती और गिरफ्तारी शामिल हो सकते हैं।

## एसआईआर पर चर्चा के लिए बनी सरकार व विपक्ष के बीच सहमति

### लोकसभा में नौ दिसंबर को बहस, आठ दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** संसद में लगातार दूसरे दिन हंगामे के बीच सरकार और विपक्ष में रक्फ पर चर्चा के लिए सहमति बन गई है। लोकसभा अध्यक्ष से मुलाकात के बाद कांग्रेस नेता के. सुरेश ने बताया- 9 दिसंबर को इलेक्टोरल रिफॉर्म्स यानी चुनावी सुधारों पर 10 घंटे बहस होगी।

साथ ही उन्होंने कहा- एक दिन पहले 8 दिसंबर को वंदे मातरम् पर चर्चा होगी। इसके लिए भी 10 घंटे का समय तय किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहस की शुरूआत करेंगे। वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में इस पर चर्चा करा रही है।

संसद सत्र के पहले 2 दिन रक्फ और वोट

चोरी के आरोप पर हंगामा हुआ। विपक्ष आज भी एसआईआर पर चर्चा की मांग पर अड़ा रहा और वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने दोनों पक्षों को अपने मीटिंग रूम में बुलाया। यहां सहमति बनी कि कल से सदन बिना किसी हंगामे के सुचारू रूप से चलेगा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने एसआईआर पर चर्चा की विपक्ष की मांग को लेकर सदन में जारी गतिरोध को तोड़ने के लिए मंगलवार को पार्टी नेताओं की बैठक बुलाई। इस मुद्दे पर लोकसभा में बार-बार हंगामे के बाद अध्यक्ष की यह बैठक हो रही है। इससे पहले, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राजनीतिक दलों के सदन नेताओं से मुलाकात की, लेकिन चुनाव सुधारों पर चर्चा के लिए कोई समय-सीमा बताने से इनकार कर दिया। उन्होंने तर्क दिया कि विपक्ष सरकार पर अपनी शर्तें थोप नहीं सकता। सरकार वंदे मातरम के 150वें वर्ष पर चर्चा कराने की इच्छुक है और इस विषय के लिए 10 घंटे का समय आवंटित किया है। स्पीकर ओम बिड़ला ने गतिरोध खत्म करने के लिए दोपहर 3 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक स्पीकर के चैंबर में ही होगी।

## शादी से पहले युवक की आत्महत्या केस में सुखदेव नगर थाना प्रभारी व मुंशी सस्पेंड

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** सुखदेवनगर थानेदार अशोक कुमार और थाने के मुंशी परशुराम को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। यह कदम उस घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें शादी से पहले दूल्हा ने आत्महत्या कर ली थी और परिवार ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे।

डीजीपी तदाशा मिश्रा के आदेश के बाद आईजी रांची मनोज कौशिक के निर्देश पर रांची एसएसपी राकेश रंजन ने दोनों पुलिसकर्मियों को निलंबित किया। आईजी ने सस्पेंशन की पुष्टि करते हुए कहा कि मामले की जांच गंभीरता से की जा रही है। 29 नवंबर की रात किशोरगंज रोड नंबर 5 में शादी की तैयारियों के बीच नितेश पांडेय की मौत की खबर आने से घर में मातम छा गया। रेलवे में कार्यरत नितेश की उसी दिन

शादी होनी थी। परिजनों ने बताया कि तीन दिन पहले प्रियंका नाम की एक लड़की ने नितेश पर यौन शोषण का आरोप लगाकर मामला दर्ज कराया था। परिवार का दावा है कि बिना किसी जांच के उसे थाने में हिरासत में रखा गया और छुड़ाने के नाम पर लाखों रुपये की मांग की गई। नितेश के भाई नीरज पांडेय ने बताया कि मुंशी परशुराम कभी एक लाख तो कभी दो लाख की मांग करता था। कभी सिटी एसपी के नाम पर तो कभी कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नाम पर पैसे मांगे जाते थे। भाई के अनुसार, थाने से छूटने के बाद भी आरोप लगाने वाली लड़की लगातार नितेश को परेशान कर रही थी, जिसकी वजह से उसने तनाव में आकर आत्महत्या कर ली।

## डीजीपी ने लिया था संज्ञान

मामला सामने आने के बाद पुलिस मुख्यालय ने इसे गंभीरता से लिया। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने आईजी रांची को जांच की जिम्मेदारी दी और संबंधित पुलिसकर्मियों को तुरंत लाइन हाजिर करने का आदेश दिया। पुलिस मुख्यालय ने अपनी प्रेस रिलीज में कहा कि दूल्हे की आत्महत्या की खबर सामने आने के बाद वरिष्ठ अधिकारियों को कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया गया था।

## अगले 15 दिनों तक लगातार ठंड बढ़ने की संभावना

**रांची।** झारखंड में अगले कुछ दिनों में झारखंड में ठंडक और सर्दी बढ़ने की संभावना है। रात का तापमान गिरने वाला है। सुबह शाम ठंड बढ़ेगी, लेकिन दिन में धूम सामान्य रहेगा। 20 से 25 डिग्री सेल्सियस पारा रहेगा। कई दिन सुबह को कोहरा / धुंध रह सकती है। इसके कारण नमी, ठंडी हवाएं और साफ मौसम रहेगा। इससे विजिबिलिटी कम हो सकती है।

बारिश की संभावना फिलहाल बहुत कम है। दिसंबर में झारखंड में सामान्यतः बारिश कम होती है। ठंड को देखते हुए सर्दी से बचने के उपाय लोगों को कर लेना चाहिए। कम से कम सुबह और शाम गर्म कपड़े पहनें। हलांकि इस मौसम में लोग घूमना फिरना अधिक पसंद करते हैं।

## झारखंड में 1.61 करोड़ वोटर का पैतृक मैपिंग कम्पलीट, 12 लाख अब्सेंट-शिफ्टेड वोटर चिन्हित

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में मतदाता सूची का पैतृक मैपिंग कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने बताया कि राज्य के कुल 1 करोड़ 61 लाख 55 हजार 740 मतदाताओं का विगत एसआईआर की मतदाता सूची से सफलतापूर्वक मैपिंग कर ली गई है। साथ ही लगभग 12 लाख मतदाताओं को अब्सेंट, शिफ्टेड, डेथ और डुप्लिकेट श्रेणी में चिन्हित किया गया है। उन्होंने कहा कि शेष मतदाताओं की पैतृक मैपिंग और अन्य प्रक्रियाएं भी तेजी से चल रही हैं।

मंगलवार को निर्वाचन सदन में के रवि कुमार ने उन विधानसभा क्षेत्रों के ईआरओ और उप निर्वाचन पदाधिकारियों के साथ बैठक की, जहां मैपिंग का काम अपेक्षाकृत धीमा है। सीईओ ने अधिकारियों से कहा कि

हर योग्य मतदाता का नाम मतदाता सूची में सुनिश्चित किया जाए और पैतृक मैपिंग पूरी तरह पारदर्शी हो। उन्होंने बताया कि दूसरे राज्यों से आए मतदाताओं की जानकारी https://voters.eci.gov.in पर और झारखंड के मतदाताओं की जानकारी https://ceo.jharkhand.gov.in वेबसाइट पर अपडेट की जा सकती है। सीईओ ने निर्देश दिया कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले बीएलओ को चिन्हित कर बैचवार प्रशिक्षण दिया जाए। बीएलओ अगर पुराने मतदाता विवरण खोजने में दिक्कत का सामना कर रहे हैं तो जिला मुख्यालय के हेल्प डेस्क से मदद लें। के रवि कुमार ने कहा कि हर अधिकारी इस बात का ध्यान रखें कि आगामी एसआईआर के दौरान कोई योग्य मतदाता सूची से छूट न जाए। जितनी अधिक पैतृक मैपिंग होगी, प्रक्रिया उतनी ही आसान बनेगी। बैठक में संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार, नोडल पदाधिकारी देव दास दत्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी धीरज कुमार ठाकुर और सभी जिलों के निर्वाचन अधिकारी मौजूद रहे।

## कतरास में भूमिगत आग से जहरीली गैस का तेज रिसाव, दहशत में लोग

*GANDIV REPORTER*

**धनबाद।** बीसीसीएल एरिया-4 अंतर्गत कतरास के अंगारपथरा क्षेत्र में बंद पड़ी मां अंबे आउटसोर्सिंग की खदान के समीप मंगलवार को अचानक भूमिगत आग भड़क उठी। इस आग से जहरीली गैस व काला धुआं निकलने लगा। तीखी दुर्गंध वाला यह धुआं पूरे क्षेत्र में फैल गया है, जिससे स्थानीय लोगों में अफरातफरी की स्थिति है। सुबह से ही पूरे इलाके में घने धुएं की परत छाई है। कई घरों के अंदर तक धुआं भर गया है, जिससे बच्चों व बुजुर्गों को सांस लेने में कठिनाई, आंखों में जलन, खांसी

और घुटन जैसी समस्याएं हो गई हैं। इस स्थिति से ग्रामीणों में भय और नाराजगी बढ़ते जा रहा है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि भूमिगत आग का दायरा यदि और बढ़ा तो पूरा इलाका गंभीर खतरे में पड़ सकता है। ग्रामीण प्रशासन और बीसीसीएल से तत्काल हस्तक्षेप की मांग कर रहे हैं, ताकि खतरे को समय रहते रोका जा सके। गैस रिसाव की जानकारी मिलते ही बीसीसीएल के अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि आग पर काबू पाने का प्रयास जारी है। जल्द नियंत्रण कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उक्त स्थल पर पहले अंडरग्राउंड कोयला खदान संचालित थी। मिथेन गैस के ऑक्सीजन के संपर्क में आने से आग भड़क गई। अधिकारियों ने कहा कि आग को हर हाल में फैलने से रोका जाएगा।

## ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी : नौसेना प्रमुख

*GANDIV REPORTER*

**तिरुवनंतपुरम।** ऑपरेशन सिंदूर अब भी जारी है, यह बयान नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के। त्रिपाठी ने मंगलवार को दिया है। वह केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में नेवी के कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। आज नेवी डे है। हालांकि, उन्होंने अपने इस बयान को लेकर और कुछ भी नहीं कहा, लेकिन उनकी इस टिप्पणी से पाकिस्तान दहशत में जरूर आ गया है। नौसेना प्रमुख ने कहा कि इस साल मई में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना के आक्रामक रुख के कारण पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों के करीब रहने पर मजबूर होना पड़ा। भारतीय नौसेना की तैयारी पूरी थी, वह मात्र एक आदेश का इंतजार कर रही थी। सेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी वार्षिक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विमानवाहक पोत की तैनाती समेत आक्रामक रुख और तत्काल कार्रवाई ने पाकिस्तानी नौसेना को उसके बंदरगाहों या मकरान तट के पास रहने के लिए मजबूर कर दिया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की शुरूआत होते ही हमने अपने कैरियर बैटल ग्रुप आईएनएस विक्रांत समेत कई अन्य बहुत ही आक्रामक तरीके से तैनात कर दिया था, यही वजह है कि पाकिस्तान चाहकर भी अपनी नौसेना को कराची पोर्ट से बाहर नहीं निकाल सका।

# क्या घुसपैठियों का रेड-कारपेट स्वागत करें : सुप्रीम कोर्ट

## सुप्रीम कोर्ट ने रोहिंग्या के कस्टडी से गायब होने का आरोप लगाने वाली याचिका पर हुई सुनवाई

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अवैध रूप से देश में प्रवेश करने और नागरिकों के लिए बनी सुविधाओं का लाभ उठाने वाले घुसपैठियों के खिलाफ तीखी टिप्पणी की और पूछा कि रोहिंग्याओं को शरणार्थी घोषित करने वाला सरकारी आदेश कहां है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी की, अगर कोई घुसपैठिया आता है, तो क्या हम उसका रेड-कार्पेट बिछाकर स्वागत करें और कहें कि हम तुम्हें सारी सुविधाएं देना चाहते हैं।

सुप्रीम कोर्ट रोहिंग्या लोगों के कस्टडी से गायब होने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। याचिकाकर्ता ने यह निर्देश देने की मांगा की है कि अगर कोई निर्वासन होता है, तो वह उचित प्रक्रिया से ही किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि घुसपैठिया पहले या तो सुरंग खोदकर या बाड़ पार करके गैर-कानूनी तरीके से सीमा पार करता है। पीठ ने कहा, फिर आप कहते हैं कि अब जब मैं आ गया हूं, तो आपके कानून मुझ पर भी लागू होने चाहिए और कहें कि मुझे खाना मिलना चाहिए, मुझे रहने की जगह मिलनी चाहिए, मेरे बच्चों को पढ़ाई मिलनी चाहिए। क्या हम कानून को इस तरह खींचना चाहते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने जोर देकर कहा कि शरणार्थी एक अच्छी तरह से निर्धारित कानूनी शब्द है और उन्हें घोषित करने के लिए सरकार की तरफ से एक निर्धारित अथॉरिटी है। याचिकाकर्ता की ओर से

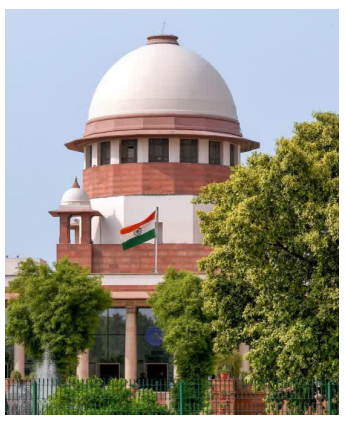

एक वकील ने जोर देकर कहा कि दिल्ली पुलिस ने इस साल मई में कुछ रोहिंग्या लोगों को पकड़ा था और उनका पता नहीं है। पीठ ने पूछा, रोहिंग्याओं को शरणार्थी घोषित करने वाला भारत सरकार का आदेश कहां है? वकील ने इस बात पर जोर दिया कि याचिकाकर्ता रोहिंग्याओं के लिए कोई शरणार्थी स्टेटस नहीं मांग रहा है और न ही उन्हें देश से निकालने का विरोध कर रहा है।

पीठ ने मौखिक रूप से कहा कि अगर किसी शरणार्थी का कोई लीगल स्टेटस नहीं है, और कोई गैर-कानूनी तरीके से घुसपैठ करता है, तो क्या उस व्यक्ति को यहां रखना जरूरी है? पीठ ने कहा कि वकील उन्हें वापस लाने के लिए बंदी प्रत्यक्षीकरण की मांग रहे हैं। वकील ने कहा कि निर्वासन कानून की तय प्रक्रिया के हिसाब से किया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि अभी का मामला कस्टडी से गायब होने से जुड़ा है। पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि देश के उत्तरी हिस्से में सीमा बहुत संवेदनशील है। साथ ही घुसपैठियों के देश में रहने के कानूनी कर्तव्यों पर भी सवाल उठाया। पीठ ने कहा, वापस भेजने में क्या दिक्कत है? वकील ने जवाब दिया कि उन्हें कानून के हिसाब से वापस भेजा जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि भारत में भी गरीब लोग हैं और वे नागरिक हैं, और पूछा कि क्या वे कुछ लाभ और सुविधाओं के हकदार नहीं हैं? उन पर ध्यान क्यों नहीं दिया जाता? वकील ने तर्क दिया कि याचिकाकर्ता किसी भी प्रत्यावर्तन की मांग नहीं कर रहा है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि यह याचिका एक पीआईएल याचिकाकर्ता ने दाखिल की है, किसी प्रभावित व्यक्ति ने नहीं। दलीलें सुनने के बाद पीठ ने कहा कि इस मामले पर इसी तरह की अन्य याचिकाओं के साथ सुनवाई होगी।

# झारखंड में परीक्षा पैटर्न बदलाव : मैट्रिक की तर्ज पर होगी आठवीं, नौवीं और 11वीं की मुख्य परीक्षाएं

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड में स्कूली शिक्षा प्रणाली में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब आठवीं, नौवीं और 11वीं की मुख्य परीक्षाएं भी मैट्रिक और इंटर की तर्ज पर आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में राज्य स्तरीय बैठकों में नीति निर्धारित कर दी गई है।

**जैक नहीं जेसीईआरटी द्वारा ली जाएगी परीक्षाएं :** महत्वपूर्ण यह है कि इन परीक्षाओं का आयोजन अब झारखंड एकेडमिक काउंसिल नहीं, बल्कि झारखंड शैक्षणिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद द्वारा किया जाएगा। जैक से मिली जानकारी के मुताबिक, 2026 से आठवीं और 11वीं की परीक्षाएं डटफ शीट पर आयोजित

की जाएंगी। इसके लिए समीक्षा बैठक में विस्तृत रूपरेखा तैयार की गई है। तीनों कक्षा आठवीं, नौवीं और 11वीं की परीक्षा पैटर्न मैट्रिक की प्रमुख परीक्षाओं जैसा होगा।

मुख्य बात यह है कि परीक्षाएं केवल वस्तुनिष्ठ प्रश्नों तक सीमित नहीं रहेंगी। अब प्रश्न पत्र में वस्तुनिष्ठ, लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय तीनों प्रकार के प्रश्न शामिल होंगे। यानी छात्रों की लिखित अभिव्यक्ति और विश्लेषण क्षमता का भी मूल्यांकन किया जाएगा। शिक्षाविदों का मानना है कि इस बदले पैटर्न से स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार आएगा और छात्र उच्च कक्षाओं के लिए अधिक सक्षम बन सकेंगे।

**2026 से शुरू होगा नए परीक्षाओं का आयोजन :** मामले को लेकर शिक्षा सचिव उमाशंकर सिंह ने कहा कि बदलते पैटर्न के तहत 2026 से इन परीक्षाओं का आयोजन खउएफछ द्वारा किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नया ढांचा तैयार हो चुका है और जिलों को दिशा-निर्देश भेज दिए गए हैं। परीक्षा संचालन और मूल्यांकन प्रक्रिया को मजबूत करने के लिए भी नए प्रावधान लागू किए जा रहे हैं।

इधर, फरवरी में आयोजित होने वाली मैट्रिक और इंटर परीक्षा 2026 को लेकर खअउ ने तैयारी तेज कर दी है। खअउ अध्यक्ष डॉ। नटवा हांसदा ने बताया कि परीक्षा केंद्र निर्धारण से लेकर सुरक्षा, प्रश्न पत्र वितरण और मूल्यांकन से जुड़ी सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

**नए पैटर्न से एजुकेशन सिस्टम में आएगा सुधार :** उन्होंने कहा कि आठवीं, नौवीं और 11वीं की आगामी परीक्षाओं के संचालन को लेकर खउएफछ को आवश्यक दिशा-निर्देश और डेटा उपलब्ध करा दिया गया है। सभी प्रक्रियाएं समय पर पूरी होंगी। राज्य में बोर्ड और अर्ध-बोर्ड परीक्षाओं के इस नए फॉर्मेट को शिक्षा जगत एक बड़े सुधार की दिशा में कदम मान रहा है। नई व्यवस्था से छात्रों में उत्तर लेखन, विश्लेषण क्षमता और मुख्य परीक्षाओं की तैयारी के प्रति गंभीरता बढ़ने की उम्मीद है।

दूसरी ओर, स्कूलों को भी नए पैटर्न के अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया को अपडेट करने की जिम्मेदारी मिलेगी। अब राज्यभर के छात्र, अभिभावक और विद्यालय 2026 में लागू होने वाली इस महत्वपूर्ण परीक्षा व्यवस्था का इंतजार कर रहे हैं, जो झारखंड की स्कूली शिक्षा प्रणाली में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगी।

## अरशद अंसारी की हत्या के विरोध में ग्रामीणों ने धुर्वा थाना का किया घेराव

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** अरशद अंसारी हत्याकांड के विरोध में मृतक के परिजन और ग्रामीणों ने मंगलवार को धुर्वा थाना का घेराव किया। ग्रामीणों का आरोप है कि धुर्वा थाना को सूचना देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हुई, जिसके चलते सोमवार देर शाम अरशद की हत्या कर दी गई। ग्रामीणों का कहना है कि हर दिन सिठीयो बस्ती में जमीन माफिया और अपराधियों के अड्डा बना रहता था। बता दें कि धुर्वा थाना क्षेत्र के सीठियो बस्ती में सोमवार को अरशद अंसारी की हत्या कर दी गई थी। यह घटना उस समय हुई, जब अरशद शाम को अपने घर के पास बैठकर आग ताप रहा था। तभी बाइक से आए हथियारबंद अपराधियों ने उसके सिर में गोली मार दी।

परिवार और आसपास के लोग उसे लेकर अस्पताल जाने लगे, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने अरशद को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस की टीम ने कार्रवाई करते हुए 12 घंटे के अंदर घटना में शामिल तौसीफ नाम के युवक को गिरफ्तार किया है। अरशद के भाई मो। जिलानी ने बताया कि अरशद पेंट-पुट्टी का काम करता था। जमीन विवाद से उसका दूर-दूर तक नाता नहीं है।

# निरहुआ की नई फिल्म मुर्गा ट्रॉफी, झारखंड की धरती पर बनेगी संघर्ष और संवेदना की कहानी

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** भोजपुरी सुपरस्टार और पूर्व सांसद दिनेश लाल यादव निरहुआ ने सोमवार को रांची प्रेस क्लब में आयोजित प्रेस वार्ता में अपनी नई फिल्म मुर्गा ट्रॉफी से जुड़े महत्वपूर्ण अपडेट साझा किए। उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग झारखंड के खूबसूरत लोकेशन पर तेजी से चल रही है और राज्य की प्राकृतिक सुंदरता फिल्म के लिए सबसे उपयुक्त साबित हो रही है।

**झारखंड की नेचुरल ब्यूटी किसी भी कहानी को दिल से जोड़ती है: निरहुआ**

निरहुआ ने कहा कि उनकी टीम ने कई राज्यों के लोकेशन देखे, लेकिन मुर्गा ट्रॉफी जैसी संवेदनशील और वास्तविक कहानी को जीवित करने के लिए

झारखंड से बेहतर कोई जगह नहीं हो सकती। उन्होंने आगे कहा कि झारखंड की प्राकृतिक खूबसूरती, गांवों का वास्तविक परिवेश, स्थानीय संस्कृति और लोगों की सहजता किसी भी कहानी को दिल से जोड़ देती है।

**फिल्म निमार्ताओं का पसंदीदा स्थान बन सकता है : निरहुआ**

निरहुआ ने कहा कि झारखंड में फिल्म बनाने का अनुभव हमेशा सकारात्मक रहा है। यहां का वातावरण, सहयोगी लोग और लोकल कलाकारों की प्रतिभा फिल्म निर्माण को आसान और सार्थक बनाती है।

अभिनेता ने कहा कि झारखंड में जब भी कोई फिल्म बनती है तो वह इतनी वास्तविक होती है कि लोगों के दिल को छू लेती है। उन्होंने इस बात की भी सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार फिल्म नीति पर निरंतर काम कर रही है, जिससे आने वाले समय में झारखंड फिल्म निमार्ताओं का पसंदीदा स्थान बन सकता है।

**भोजपुरी इंडस्ट्री में नई पहचान स्थापित करेगी मुर्गा ट्रॉफी**

फिल्म से जुड़े प्रोडक्शन सदस्यों ने भी बताया कि शूटिंग कई लोकेशन पर चल रही है। स्थानीय लोगों का अपार सहयोग मिल रहा है। ग्रामीण परिवेश, हरियाली से भरपूर प्राकृतिक नजारे और झारखंड की सांस्कृतिक विविधता फिल्म को एक अलग स्तर पर ले जा रही है।

निरहुआ ने बताया कि मुर्गा ट्रॉफी मार्च 2026 तक पूरी तरह तैयार हो जाएगी और दर्शक इसे सिनेमाघरों में देख पाएंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि फिल्म भोजपुरी इंडस्ट्री में नई पहचान स्थापित करेगी और बच्चों की संघर्ष गाथा दर्शकों के दिल को छू लेगी। उन्होंने मीडिया एवं दर्शकों से अपील की है कि फिल्म को भरपूर प्यार और समर्थन दें।

### बच्चे के संघर्ष, सपनों और जज्बे पर आधारित है फिल्म

अभिनेता ने बताया कि फिल्म की प्रकृति पूरी तरह पारिवारिक और प्रेरणादायक है, जिसमें एक बच्चे के संघर्ष, सपनों और जज्बे को दशार्या गया है। यह सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि एक संवेदनशील संदेश देने वाली फिल्म है। उन्होंने कहा कि फिल्म के बाल कलाकार पूरी तरह झारखंड से हैं और खास बात यह है कि इनमें से अधिकांश पहली बार कैमरे के सामने अभिनय कर रहे हैं। इसके बावजूद उनकी स्वाभाविक अभिव्यक्ति और गांव की मिट्टी से जुड़ी नैसर्गिकता फिल्म को असाधारण बनाएगी।

# झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन ने लोहरदगा डीसी को भेजा ज्ञापन

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** सन 1945 से मारवाड़ी समाज द्वारा संचालित खेमराज स्मृति भवन मारवाड़ी धर्मशाला का नाम यथावत रखने तथा मारवाड़ी धर्मशाला को वंशजों से मुक्त कराकर मारवाड़ी समाज को दिलाने की मांग की। झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल एवं महामंत्री विनोद कुमार जैन ने लोहरदगा जिला उपायुक्त डॉ० कुमार ताराचंद्र को एक पत्र प्रेषित कर सन् 1945 ई० से मारवाड़ी समाज द्वारा संचालित खेमराज स्मृति भवन मारवाड़ी धर्मशाला का नाम यथावत रखने तथा मारवाड़ी धर्मशाला को वंशजो से मुक्त कराकर मारवाड़ी समाज को दिलाने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि सन 1945 में दानदाताओं के द्वारा जमीन मुहिया कराकर खेमराज स्मृति भवन के नाम से मारवाड़ी धर्मशाला का निर्माण किया गया था। और दानदाताओं के द्वारा उस वक्त मारवाड़ी समाज को दान के स्वरूप सेवा हेतु दे दिया गया, हमारे पूर्वज दान में मिले मारवाड़ी धर्मशाला का देखरेख करते हुए संचालन करते रहे,इस धर्मशाला में शुरूआत से ही हमेशा जनसेवा के कार्य, मानव कल्याणकारी कार्य,निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर, शिक्षा संबंधी, खेल संबंधी,तथा सभी महापुरुषों की जयंती सभी धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन होता रहा है।उसके उपरांत नई पीढ़ी के लोग आगे धर्मशाला का देखरेख करते आ रहे हैं तथा निर्धन एवं गरीब परिवारों को कई चीजे निःशुल्क भी प्रदान करते रहे हैं,1991 ई० से धर्मशाला का समुचित देखरेख मारवाड़ी युवा मंच कर रही है, 25 नवंबर 2018 को धर्मशाला वंशज के पुत्रों के द्वारा जबरन एवं अपनी दंबगई दिखाते हुए धर्मशाला का ताला तोड़कर अपने अधीन में ले रखा है। तथा छत के छज्जे पर सन् 1945 और धर्मशाला लिखा हुआ को भी तोड़कर क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। तथा धर्मशाला को निजी एवं व्यवसायीकरण किया जा रहा है। इस संबंध में मारवाड़ी युवा मंच के द्वारा केस भी दर्ज किया गया और अनुमंडल पदाधिकारी के कोर्ट के द्वारा हर तथ्यों की जांचों उपरांत और वंशजों के द्वारा संपत्ति का कोई दस्तावेज नहीं देने और गलत दस्तावेज प्रस्तुत कर कोर्ट को गुमराह करने का कोशिश किया गया ता० 26/08/2021 को अनुमंडल कोर्ट ने मारवाड़ी युवा मंच/ मारवाड़ी समाज के पक्ष में अपना फैसला दिया। इसके विरोध में विपक्षो के द्वारा झारखंड हाई कोर्ट में याचिका दायर किया गया हैं जो कि अभी लंबित है।

# रांची में दूल्हे की आत्महत्या पर डीजीपी गंभीर, दोषी पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई का निर्देश

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राजधानी रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र में बारात निकलने से ठीक पहले दूल्हे के द्वारा खुद की जान लेने के मामले को लेकर झारखंड पुलिस मुख्यालय ने गंभीर रुख अपनाया है। डीजीपी तदाशा मिश्रा ने मामले की जांच के लिए रांची आईजी मनोज कौशिक को जिम्मेदारी दी है। साथ ही आरोपित पुलिसकर्मियों को तत्काल लाइन हाजिर करने का भी आदेश जारी किया गया है।

**तीन दिनों में रिपोर्ट, आरोपितों को लाइन हाजिर करने का आदेश :** पुलिस मुख्यालय के द्वारा जारी प्रेस रिलीज में बताया गया है कि मीडिया में आई खबर बारात निकलने से ठीक पहले दूल्हे के द्वारा आत्महत्या को लेकर पुलिस महानिदेशक सह पुलिस महानिरीक्षक झारखंड ने

संज्ञान लिया है। डीजीपी ने रांची के आईजी और एसएसपी को कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, डीजीपी ने पूरे प्रकरण की गहराई से जांच कराने और तीन दिनों के भीतर विस्तृत जांच रिपोर्ट सौंपने का आदेश दिया है। इसके लिए इसके लिए रांची आईजी को मामले की निगरानी करते हुए सभी पहलुओं की तहकीकात करने को कहा गया है, ताकि दूल्हे की मौत के कारणों और पुलिस पर लगाए गये कथित प्रताड़ना के आरोपों की सच्चाई सामने आ सके। पुलिस मुख्यालय ने निर्देश दिया है कि आरोपों से जुड़े सभी पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों को तत्काल लाइन हाजिर किया जाए, जिससे निष्पक्ष जांच में कोई बाधा न हो। साथ ही, अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे मृतक के परिजनों के बयान, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और पूर्व में हुई किसी भी पुलिस कार्रवाई की बारीकी से जांच करें।

**यौन शोषण का आरोप और फिर पुलिस ने किया परेशान :** नितेश के भाई नीरज पांडेय ने बताया कि 26 नवंबर को उसका तिलक था। इसी बीच प्रियंका नाम की एक लड़की ने उस पर यौन शोषण का आरोप लगा कर केस कर दिया।

### क्या है पूरा मामला

आपको बता दें कि 29 नवंबर को रांची के सुखदेव नगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज रोड नंबर 5 में शादी की खुशियां अचानक मातम में बदल गई थी। दरअसल, नितेश पांडे नामक युवक जो रेलवे में कार्यरत था, उसकी शनिवार को ही शादी थी, लेकिन इससे पहले ही उसने आत्महत्या कर ली। नितेश की आत्महत्या को लेकर परिजनों ने सुखदेव नगर पुलिस पर बड़ा आरोप लगाया है। इसी वजह से पुलिस को लेकर मौके पर आक्रोश था। परिजनों ने आत्महत्या की वजह पुलिस प्रताड़ना बतायी है।

# रिम्स में फर्जी जाति प्रमाणपत्र प्रकरण : जांच में धोखाधड़ी की पुष्टि, छात्रा का नामांकन रद्द

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान में एमबीबीएस पहली वर्ष (सत्र 2025-26) की छात्रा काजल ने कथित रूप से फर्जी अनुसूचित जाति प्रमाणपत्र दिखाकर प्रवेश लिया था। जांच में यह मामला सही पाया गया है, जिसके बाद रिम्स प्रबंधन ने एक दिसंबर को छात्रा का नामांकन रद्द कर दिया है। इससे पहले 20 नवंबर को छात्रा को निलंबित (सस्पेंड) किया गया था।

**जांच में सामने आई अनियमितताएं :** जांच में पाया गया कि छात्रा काजल ने नीट यूजी में ओबीसी एनसीएल सेंट्रल लिस्ट के तहत परीक्षा दी थी। लेकिन जेसीईसीई बोर्ड के जरिए एससी श्रेणी में रैंक 01 के आधार पर रिम्स में प्रवेश लिया। जब रिम्स ने उसकी एडमिट कार्ड की मांग की,

तो छात्रा ने कहा कि कार्ड खो गया है, जिससे संदेह और गहरा गया। इसके बाद 13 अक्टूबर 2025 को रिम्स ने जेसीईसीई बोर्ड और अंचल अधिकारी गिरिडीह से तथ्यात्मक जांच का अनुरोध किया।

**गलत तथ्यों व भ्रामक जानकारी देकर प्रमाणपत्र प्राप्त किया :** अंचल अधिकारी की जांच में पाया गया कि छात्रा ने भैरो चमार नाम के किसी व्यक्ति का खतियान जमा किया था, जिसके आधार पर उसे रउ प्रमाणपत्र जारी किया गया था। जब असल परिवार से पूछताछ की गई तो पता चला कि काजल का उस परिवार से कोई संबंध नहीं है इसके अलावा, छात्रा द्वारा दिखाई गई वंशावली असली वंशावली से अलग थी। इस तरह कथित रूप से गलत तथ्यों और भ्रामक जानकारी के आधार पर काजल ने प्रमाणपत्र प्राप्त किया गया था। गिरिडीह डीसी ने भी इसकी पुष्टि की है। जेसीईसीई बोर्ड ने 19 नवंबर को रिम्स को विस्तृत जांच की रिपोर्ट भेजी। इसके बाद 21 नंवबर को रिम्स ने छात्रा को शो कॉज नोटिस जारी किया और एक समिति गठित की, जिसने उपलब्ध सभी दस्तावेजों और तथ्यों का परीक्षण किया।

**यह एससी अभ्यर्थियों के अधिकारों का है उल्लंघन :** कानूनी विशेषज्ञों के अनुसार, फर्जी प्रमाणपत्र के आधार पर प्राप्त कोई भी प्रवेश शुरू से ही अवैध माना जाता है। विभिन्न न्यायिक निर्णयों के आधार पर यह सिद्धांत स्पष्ट है कि धोखे से प्राप्त किया गया कोई भी लाभ स्वतः शून्य हो जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि उम्मीदवार ने ओबीसी एनसीएल श्रेणी में नीट दिया और एससी आरक्षित सीट प्राप्त की, तो यह वास्तविक रउ अभ्यर्थियों के अधिकारों का उल्लंघन माना जाता है।

# बिरसा मुंडा संग्रहालय के सामने कचरे का अंबार, आगंतुक परेशान

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** करोड़ों की लागत से विकसित ऐतिहासिक भगवान बिरसा मुंडा स्मृति संग्रहालय हर दिन सैकड़ों आगंतुकों को आकर्षित करता है। 15 नवंबर 2021 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका ऑनलाइन उद्घाटन किया था। पुराने केंद्रीय कारागार परिसर में विकसित इस स्मृति स्थल को जनजातीय वीरों के बलिदान और गौरव को समर्पित किया गया है। लेकिन इसके ठीक सामने की तस्वीर इसके महत्व और भव्यता को चुनौती देती नजर आ रही है।

**कचरे की बदबू से लोग हो रहे हैं परेशान:** संग्रहालय परिसर के समीप बने अस्थायी डंपिंग जोन में कचरे का अंबार लगा हुआ है। आसपास बदबू फैल रही है और गंदगी के कारण आगंतुकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा

है। स्थानीय लोगों और पर्यटकों ने इस स्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई है। लोगों का कहना है कि जहां एक ओर सरकार इस स्थल को देश की धरोहर के रूप में विकसित कर रही है, वहीं दूसरी ओर उसके ठीक सामने लगातार जमा हो रहा कचरा सौंदर्य और गरिमा दोनों को ठेस पहुंचा रहा है।

**जल्द समस्या को किया जाएगा दूर : नगर आयुक्त**

इस मामले पर रांची नगर निगम के नगर आयुक्त सुशांत गौरव से बात की। उन्होंने स्वीकार किया कि डंपिंग जोन की समस्या गंभीर है, लेकिन इसे जल्द ही दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा 'आने वाले समय में वहां कचरा नहीं दिखेगा। व्यवस्था को दुरुस्त किया जा रहा है। अत्याधुनिक टफ्फ्र मशीन का सेटअप लगाया जा रहा है, जिससे कचरे का तुरंत निष्पादन किया जा सकेगा और क्षेत्र हमेशा साफ-सुथरा रखा जाएगा'।

संग्रहालय में कई स्वतंत्रता सेनानियों की है प्रतिमा

गौरतलब है कि सरकार ने रांची जेल परिसर को अत्याधुनिक संग्रहालय के रूप में विकसित किया है। जहां 25 फीट ऊंची बिरसा मुंडा की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा दिए गए बयान में कहा गया था कि यह संग्रहालय न केवल भगवान बिरसा मुंडा, बल्कि झारखंड और देश के विभिन्न जनजातीय स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष और योगदान को समर्पित है। यहां शहीद बुधु भगत, सिदो-कान्हू, नीलांबर-पीतांबर, दिवा-किसुन, तेलंगा खड़िया, गया मुंडा, जतरा भगत, पोटो हो, भगीरथ मांझी और गंगा नारायण सिंह जैसे महान जननायकों से जुड़ी जानकारियां प्रदर्शित की गई हैं।

**बड़े पैमाने पर लोग पहुंचते हैं संग्रहालय**

संग्रहालय के बगल में ही 25 एकड़ क्षेत्र में स्मृति उद्यान भी विकसित किया गया है। इसमें संगीतमय झरना, खान-पान परिसर, बाल उद्यान और विभिन्न मनोरंजन सुविधाएं आगंतुकों को आकर्षित करती हैं। हर दिन बड़ी संख्या में स्कूली छात्र, शोधार्थी और पर्यटक यहां आते हैं। ऐसे में डंपिंग जोन से फैलती गंदगी उनके अनुभव को प्रभावित कर रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शहर की पहचान बन चुके इस स्मृति स्थल के सामने कचरा जमना शर्मनाक है। इससे शहर की छवि खराब होती है और पर्यटन पर भी असर पड़ सकता है। फिलहाल, नगर निगम के आश्वासन ने लोगों में उम्मीद जगाई है कि जल्द ही इस समस्या का समाधान होगा और क्षेत्र अपनी खूबसूरती, गरिमा और ऐतिहासिक महत्व के अनुरूप साफ-सुथरा दिखेगा।

### बेवा उषा सिंह ने डीसी समेत एसएसपी को त्राहिमाम पत्र लिखा, कहा कि

# दबंग अधिकारी ने पद का दुरूपयोग कर उसके परिवार को जीना दूभर कर दिया

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** सरकारी पद के गुमान में डूबी एक अधिकारी से त्रस्त पूर्व सेना की बेटी उषा सिंह ने रांची एसएसपी को ज्ञापन देकर न्याय की गुहार लगायी है। सरकारी पद का दुरूपयोग कर झारकाफ्ट में पदस्थापित अधिकारी रितु कुमार ने उषा सिंह और उसकी पुत्री को तबाह कर रखा है। एक तो चोरी उस पर सीना जोरी की तरह वो हरकत कर रही है। एक सरकारी अधिकारी को किसी भी स्थिति में इस तरह का कार्य शोभा नहीं देता है।

मामला हाउसिंग कॉम्प्लेक्स, सेक्टर-4, खेलगांव, रांची स्थित भवन संख्या 58 से संबंधित है। उषा सिंह द्वारा डीसी, रांची, नगर निगम आयुक्त, रांची और एसएसपी को दिये ज्ञापन पर बताती हैं कि वह अपने परिवार के साथ खेलगांव स्थित हाउसिंग कॉम्पलेक्श सेक्टर 4 के निवास करती हैं। इन्होंने अपने पति के देहांत के बाद अर्जित राशि के खेलगांव कॉम्पलेक्स में एक डुपलेक्स में आवास खरीदा है। इसके ठीक नीचे झारकाफ्ट की एक पदाधिकारी रितु कुमार ने अपना आवास खरीदा है। दोनों ही आवास उपर नीचे है। और बायलॉज के अनुसार इसका उपयोग करने का अधिकार इन दोनों को है। इनके अलावा खेलगांव स्थित अन्य डुप्लेक्स में कोई विवाद नहीं है, लेकिन रितु कुमार अपने पद का दुरुपयोग कर उषा सिंह की छत पर पानी की टंकी जबरन स्थापित करा दी है। मना करने पर पुलिस और जेल भेजने की धमकी दे डालती हैं। चुप रहो अन्यथा घर तुड़वा दूंगी कहती है। उषा सिंह उन्हें आग्रह करती हैं कि उसकी छत की सीढ़ी उसके बेडरुम से होकर गुजरती है। अपने बेडरुम में कौन किसी स्थिति में रहेगा,यह कहना मुश्किल है। फिर अनाधिकार किसी के छत

पर टंकी लगाना और उसके सीढ़ी का उपयोग करना कहां उचित है, लेकिन इस आग्रह का कोई असर अधिकारी रितु कुमार पर नहीं पड़ता है। इसकी शिकायत सोसाइटी के सेक्रेटरी और स्थानीय थाने से भी की है। थानेदार ने इसकी जांच की और बाहर से उषा सिंह की दीवार से सटी सीढ़ी को हटवा दिया। इससे नाराज अधिकारी रितु कुमार ने उक्त आईओ के खिलाफ एसएसपी से शिकायत कर दी। अब कोई पुलिस अधिकारी अपना काम भी न करे। यह तो एक अधिकारी की दबंगता है। उषा सिंह एसएसपी से आग्रह किया है कि रितु कुमार ने अपने सरकारी पद का दुरुपयोग करते हुए मेरे छत पर अवैध एवं जबरन पानी की टंकी स्थापित कर दी। टंकी लगवाते समय छत पर एक दबंग व्यक्ति को खड़ा कर दिया गया था। मैंने इसका कड़ा विरोध किया, परंतु विरोध करने पर मुझे धमकी दी गई चुप रहो, नहीं तो पूरा घर ही गिरवा दूंगी।

उन्होंने मेरे घर की दीवार से सटाकर एक अवैध सीढ़ी लगवा दी थी और उसी सीढ़ी का उपयोग करते हुए रात में हमारी छत पर एक अवैध पानी की टंकी भी रखवा दी। मेरी शिकायत के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर अवैध सीढ़ी और उस अवैध ढंग से रखी एक पानी की टंकी हटवा दी, अभी भी एक 1000 लीटर की पानी की टंकी उसके छत पर अवैध रूप से मौजूद है।, इतना ही नहीं, उन्होंने नीचे के खाली स्थान पर ड्रॉ अवैध कब्जा करके निर्माण कार्य कर लिया है, जो सोसाइटी के बायलॉज तथा नगर निगम द्वारा स्वीकृत नक्शे के पूर्णतः विरुद्ध है। यह स्थान सोसाइटी द्वारा निर्धारित साझा क्षेत्र है। जिसका उपयोग अग्नि सुरक्षा (फायर एस्केप) और आपातकालीन सुरक्षा मार्ग के रूप में किया जाता है। उनके अवैध निर्माण के कारण यह महत्वपूर्ण सुरक्षा मार्ग बाधित हो गया है। उन्होंने अपने घर के सीसी कैमरे उसके ओर मोड़ दिया है, जिसके कारण उसकी निजता के अधिकार का ड्रॉ हनन हो रहा है। उषा सिंह ने यह भी आरोप लगाया है कि मेरे छत पर अवैध रूप से पानी की टंकी रखने के कारण घर में अत्यधिक लीकेज हो रही है और लगातार संरचनात्मक क्षति हो रही है। टंकी लगने के बाद उसी हिस्से के नीचे हमारी छत, बीम और दीवारों में गंड्ढीर दरारें होने लगी हैं। इस संबंध में उसने पुलिस थाने तथा सोसाइटी के सेक्रेटरी दोनों को शिकायत की। थाना प्रभारी और सेक्रेटरी ने रितु कुमार को टंकी हटाने का स्पष्ट निर्देश दिया, परंतु वह इन निर्देशों का पालन करने के लिए तैयार नहीं हैं।

## जज का मोबाइल चोरी कर बैंक खाते से उड़ाए 2.88 लाख

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** खूंटी जिले में पदस्थापित एक जज का चोरों ने भीड़ का फायदा उठाकर मोबाइल चोरी कर ली। इसके कुछ ही देर बाद उनके बैंक खाते से 2.88 लाख रुपये की बड़ी राशि डिजिटल माध्यम से निकाल ली गई। इस संबंध में जज ने जगन्नाथपुर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार, जज धुर्वा के सेक्टर-2 बाजार में सब्जी खरीदने गए थे। इसी दौरान किसी अज्ञात अपराधी ने बड़ी चतुराई से उनका मोबाइल फोन चुरा लिया। जब तक जज को मोबाइल चोरी होने का पता चला, उससे पहले अपराधियों ने फोन के जरिये उनके बैंक खाते को निशाना बनाया। चोरों ने डिजिटल माध्यम से दो अलग-अलग ट्रांजेक्शन किए और उनके अकाउंट से कुल 2 लाख 88 हजार रुपये सफलतापूर्वक निकाल लिए।

## झारखंड पुलिस की स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की बेवसाइट मई के बाद अपडेट नहीं

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झारखंड पुलिस की स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो की वेबसाइट पर अपराध से जुड़े आंकड़े मई 2025 के बाद से अपडेट नहीं किए गए हैं। वहीं दूसरी तरफ सीआईडी समय से हत्या, लूट, दुष्कर्म समेत अन्य घटनाओं का रिकॉर्ड अपडेट कर रही है। उल्लेखनीय है कि झारखंड पुलिस एससीआरबी की आधिकारिक वेबसाइट, जो राज्य में अपराध, दुर्घटनाओं और अन्य पुलिसिंग गतिविधियों का विस्तृत डेटा रखती है, उस पर पिछले छह महीने से अधिक समय से नए आंकड़े अपलोड नहीं किए गए हैं। वेबसाइट पर उपलब्ध मासिक अपराध का डेटा मई 2025 तक का ही है। जून 2025 से लेकर अब तक यानी छह महीने से अधिक समय का राज्य में हुए गंभीर अपराधों, जैसे हत्या, बलात्कार, लूट, और साइबर क्राइम का आधिकारिक रिकॉर्ड उपलब्ध नहीं है।

# रांची में कांग्रेस प्रदेश कार्यसमिति की बैठक

### 14 दिसंबर की दिल्ली रैली में शक्ति प्रदर्शन पर बनी रणनीति

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** प्रदेश कांग्रेस की कार्यसमिति की बैठक मंगलवार को प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाली राष्ट्रीय रैली की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। पार्टी ने दावा किया है कि झारखंड से बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और नेता दिल्ली पहुंचकर कांग्रेस की ताकत का प्रदर्शन करेंगे। बैठक के दौरान यह रणनीति बनाई गई कि राज्य के सभी जिलों से कार्यकताओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व का कहना है कि यह रैली सिर्फ राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देश के मतदाताओं के अधिकारों

की रक्षा के लिए बड़े जन आंदोलन का हिस्सा है। हालांकि, बैठक में संगठनात्मक अनुशासन को लेकर सवाल भी उठे। क्योंकि आधे से ज्यादा पदाधिकारी बैठक से नदारद रहे, जिससे अंदरखाने चर्चा तेज है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के साथ मंत्री दीपिका पांडे और तीनों कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की, जलेश्वर महतो और शाहनवाज आलम सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष ने जिम्मेदारियों का बंटवारा करते हुए सभी जिलाध्यक्षों को निर्देश दिया कि वे निर्धारित संख्या में कार्यकताओं को दिल्ली रैली तक भेजने की तैयारी तेजी से पूरी करें। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि कांग्रेस वोट चोरी के खिलाफ सड़क से लेकर सदन तक संवैधानिक स्तर पर लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने कहा वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस का आंदोलन जारी रहेगा। दिल्ली की रैली में झारखंड से मजबूत उपस्थिति दर्ज होगी। उन्होंने कहा कि जनता के वोट पर डाका डालने वाली ताकतों के खिलाफ हम मजबूती से खड़े हैं। वहीं कार्यकारी अध्यक्ष बंधु तिर्की ने भी आक्रामक रुख अपनाने का संकेत दिया। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ कांग्रेस सड़क से सदन तक आक्रामक भूमिका में रहेगी। लोकतंत्र की रक्षा के लिए संघर्ष हमारा कर्तव्य है और हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। बैठक में मौजूद कैबिनेट मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष ने रैली को सफल बनाने के लिए कई अहम निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई किसी एक दल की नहीं, देश के मतदाताओं की है। हम इसे मजबूती से लड़ेंगे। मंत्री ने कहा कि दिल्ली रैली में झारखंड कांग्रेस अपनी एकजुटता और संकल्प दिखाएगी। 14 दिसंबर को प्रस्तावित यह रैली कांग्रेस के राष्ट्रव्यापी अभियान का हिस्सा है।

# डालसा ने एनजीओ इब्तिदा के साथ किया जागरूकता कार्यक्रम

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** झालसा के निदेर्शानुसार, माननीय न्यायायुक्त-सह-अध्यक्ष, डालसा के मार्गदर्शन में आज दिनांक 02.12.2025 को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची व इब्तिदा एनजीओ ने संयुक्त रूप से होटल बी.एन.आर. चानक्य में झारखण्ड राज्य में महिलाओं के साथ जेंडर आधारित हिंसा और डिजिटल हिंसा के खिलाफ संस्थागत सुरक्षा उपाय पर राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला का आयोजन कर लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डालसा सचिव, श्री रवि कुमार भास्कर, डिप्टी एलएडीसी, राजेश कुमार सिन्हा, सहायक एलएडीसी, पंकज कुमार शर्मा, मध्यस्थ, मधुकर, मानवाधिकार सदस्य, ममता कुमारी, राज खाद्य आयोग अध्यक्ष, शबनम प्रवीण, ट्रांसजेंडर (स्वधार एनजीओ), विभा मिश्रा, क्रिया एनजीओ से, बबीता दी, स्वाभिमान एनजीओ, धनबाद से सुषमा देवी, पीएलवी रजनी कुमारी, शाहिष्ता प्रवीण, संगीता देवी व अन्य शामिल थे।

राज्य स्तरीय परामर्श कार्यशाला में मंच का संचालन नशरीन जी ने किया।

### बाबूलाल मरांडी की पोस्ट पर गरमाई सियासत, झामुमो ने किया पलटवार, कहा-

# मानसिक रूप से हो गए हैं कमजोर

*GANDIV REPORTER*

**पलामू।** झारखंड में ऑनलाइन बेटिंग, लॉटरी, सांप का जहर आदि मुद्दों को लेकर राजनीति शुरू हो गई है। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए कई बातें लिखी हैं। इसके जवाब में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने बाबूलाल मरांडी के सवाल पर जोरदार हमला किया है।

**ऑनलाइन बेटिंग पर बाबूलाल मरांडी का पोस्ट**

दरअसल, पिछले दिनों ने पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सांप का जहर एवं तस्करी के बड़े नेटवर्क का

खुलासा किया है। इसके साथ ही ऑनलाइन बेटिंग का बड़ा नेटवर्क पकड़ा गया था। दोनों नेटवर्क झारखंड के बाहर से संचालित हो रहे थे। दूसरे मामलों को लेकर भी बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर सवाल उठाए थे और झारखंड सरकार से कार्रवाई की बात कहीं थी। इसके साथ ही कई गंभीर आरोप भी राज्य सरकार पर लगाए थे।

**जेएमएम का पलटवार** : पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'बेरोजगारी के कारण युवा गलत रास्तों की तरफ बढ़ रहे हैं'। जिसके जबाव में झामुमो के जिला अध्यक्ष राजेंद्र कुमार सिंह उर्फ गुड्डू सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि बाबूलाल मरांडी, मानसिक रूप से कमजोर हो गए हैं और बीजेपी शासित राज्यों से कई तरह के अवैध धंधों का संचालन हो रहे हैं। गुजरात में करोड़ों का नशीला पदार्थ पकड़ा जाता है लेकिन कोई खबर नहीं छपती है।

**बीजेपी के सारे आरोप बेबुनियाद** : झामुमो नेता राजेंद्र कुमार सिंह ने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि बीजेपी के लोगों ने संरक्षण दिया है, पहले इन्होंने क्या किया है? ये किसी से छुपा नहीं है। जो आरोप लगाए जा रहे हैं वे बेबुनियाद हैं। पलामू जिला अध्यक्ष ने कहा कि गलत चीजों को बीजेपी की तरफ से संरक्षण दिया जा रहा है। मंईयां सम्मान योजना से लाखों महिलाएं जुड़ी हुई हैं और उनकी जिंदगी संवर रही है, यह सब बाबूलाल मरांडी को क्यों नहीं नजर आता?

# अपराधी राहुल सिंह के खिलाफ ब्लू कार्नर नोटिस जारी, विदेश में बैठ चला रहा गैंग

*GANDIV REPORTER*

**रांची।** विदेश में बैठकर झारखंड में अपने गिरोह का संचालन कर रहे कुख्यात अपराधी राहुल सिंह के खिलाफ ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। झारखंड सीआईडी के अनुरोध पर सीबीआई की मदद से यह कार्रवाई की गई है।

राहुल सिंह एनकाउंटर में मारे गए गैंगस्टर अमन साहू का बेहद करीबी माना जाता है। अपराध की दुनिया में यह चर्चा है कि राहुल सिंह के द्वारा ही अब अमन साहू गिरोह का संचालन किया जा रहा है। अपराध की गतिविधियों को

झारखंड में संचालित करने के लिए राहुल सिंह फिलहाल देश छोड़कर फरार हो चुका है और विदेश में रहकर झारखंड में अपने गुर्गों से आपराधिक वारदातों को अंजाम दिलवा रहा है। झारखंड पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार राहुल सिंह का गिरोह झारखंड के कई जिलों जैसे पलामू, रांची, रामगढ़, बोकारो, चतरा, हजारीबाग और लातेहार में एक्टिव है। विदेश में बैठकर राहुल सिंह अपने गुर्गों को रंगदारी वसूलने के लिए निर्देश देता है, जिसके बाद उसके गुर्गे रेलवे साइडिंग से लेकर कोयला कारोबारी के साइट पर हमला और गोलीबारी करते हैं। जो लोग रंगदारी नहीं देते हैं उन्हें राहुल सिंह विदेश से बैठकर ही धमकता है। हाल के दिनों में राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस के द्वारा लगातार कार्रवाई करते हुए एक दर्ज ज्यादा अपराधियों गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। इसी क्रम में यह जानकारी मिली कि राहुल सिंह विदेश में बैठकर अपने गैंग का संचालन कर रहा है। झारखंड सीआईडी के अधिकारियों के अनुसार राहुल सिंह की जानकारी इकट्ठा करने के लिए सीबीआई की मदद से इंटरपोल को ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करने का आग्रह किया गया था, जिसे मंजूर कर लिया गया है।

# बहरागोड़ा में खुलेगा डॉ. राममनोहर लोहिया कौशल विकास एवं चैतन्यता केन्द्र

*GANDIV REPORTER*

**भुवनेश्वर।** डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अगले आयोजन व राष्ट्रीय विचार मंथन झारखंड में सिंहभूम जिले के बहरागोड़ा में होंगे। झारखंड के पूर्व स्वास्थ्य मंत्री श्री दिनेश सरंगी और उनकी पत्नी श्रीमती बिनी षड़ंगी ने वहां फाउंडेशन को चार एकड़ जमीन दान में दी है।

भुवनेश्वर के जयदेव भवन में 29 - 30 नवंबर को पूर्व लोकसभा अध्यक्ष व डॉ लोहिया के अनन्य सहयोगी रहे स्व. रवि राय के जन्मशती पर आयोजित छठे विचार मंथन के समापन में यह जानकारी देते हुए भावी प्रकल्प का खाका विस्तार से रखा गया। प्रकल्प का नाम ' डॉ राममनोहर लोहिया कौशल विकास एवं चैतन्यता केन्द्र' रखा गया है।

डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के अध्यक्ष अभिषेक रंजन सिंह ने बताया कि जिस जगह यह प्रकल्प शुरू होगा वह वहां झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल की सीमा मिलती है।

अगले वर्ष कर्नाटक के कागोडू सत्याग्रह के पचहत्तर साल पूरे हो रहे हैं। इस सत्याग्रह में डा. लोहिया ने किसानों को उनके अधिकार दिलाने के कागोडू में हल चलाया था। बहरागोड़ा में अगला चिंतन किसानों की समस्या को लेकर होगा।

डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन ने इससे पहले कोलकाता, गौहाटी, गोवा, हैदराबाद और रांची में आयोजन किए हैं।

समापन के अवसर पर यह मांग भी रखी गई कि ओडिशा सरकार रवि राय की जन्मशती को गरिमा

के साथ मनाए।

पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं ओडीशा सरकार के पूर्व मंत्री श्री शशिभूषण बेहरा ने कहा कि वे सरकार तक यह बात पहुंचायेंगे।

भुवनेश्वर का दो दिन का आयोजन राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन और रवि राय एकेडेमी ने मिलकर किया था। देश के विभिन्न प्रांतों से सोशलिस्ट व लोहियावादी विचार से जुड़े लोग इस आयोजन में शामिल होने भुवनेश्वर आये थे। कुछ वे लोग भी थे जो अन्य दलों में चले गए हैं लेकिन लोहिया के विचार के प्रति अनुराग रखते हैं।

भारत के सुप्रसिद्ध सोशलिस्ट नेता रघु ठाकुर इस आयोजन में विशेष रूप से आमंत्रित थे।

समाजवाद के लिए जिन्होंने जीवन खपा दिया ऐसे सोशलिस्टों और उनके परिजनों को उद्घाटन समारोह में सम्मानित किया गया। छत्तीसगढ़ और आंध्रप्रदेश के पूर्व राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन , टी गोपाल सिंह ( हैदराबाद) सात्विक क्रांति के सूत्रधार अव्यक्त, झारखंड के पूर्व मंत्री दिनेश सरंगी एवं रामचंद्र केसरी , राजस्थान के पूर्व मंत्री विज्ञान मोदी ने उद्घाटन समारोह में रवि राय के जीवन की विशिष्टताओं को संस्मरणों के जरिए याद किया। रवि राय के जीवन पर केन्द्रित एक प्रभावी वृत्तचित्र इस अवसर पर दिखाया गया। सात्विका माशा के सरोद वादन से आयोजन प्रारंभ हुआ। रवि राय के अनन्य साथी भाषाविज्ञानी पद्मश्री देवीप्रसन्न पटनायक की समारोह में विशेष उपस्थिति रही।

श्रीमती बिनी षड़ंगी द्वारा ओड़िया में अनुदित डॉ लोहिया की तीन रचनाओं तथा डॉ लोहिया की पत्रिका मैनकाइंड व जन के रवि राय पर केन्द्रित अंक का विमोचन इस अवसर पर किया गया।

बाद के सत्रों में विभिन्न विद्वानों व शोधकताओं के वक्तव्य हुए। इनमें सैयद शाहनवाज कादरी, सेंचुरियन विश्वविद्यालय भुवनेश्वर की कुलपति सुप्रिया पटनायक, विजय नारायण, अमिताभ चक्रवर्ती, ओडिशा उच्च न्यायालय के अवकाश प्राप्त न्यायाधीश विमला प्रसाद दास, देवप्रसाद राय पीतांबर,जेपी जगदेव, क्षितीश महापात्र,रवीन्द्र हलिंगा (कर्नाटक), रवि राय के सहयोगी चित्तरंजन मोहंती, रवि राय के परिवार के सदस्य क्षीरोद महापात्र, डॉ राधेश्याम वर्मा ( बहराइच) , शिशिर दास, बिनि सरंगी, आर्थिक मामलों के विशेषज्ञ सतीश सिंह, दीपक मिश्र, सैकत नियोगी, सुभाष सामंत, कुमार नरोत्तम, अनवर खान वारसी ( बहराइच), सोमव्रत दासगुप्ता, कौशल किशोर चौधरी के वर्तमान राष्ट्रीय व वैश्विक चुनौतियों के समाजवादी समाधान पर वक्तव्य हुए। बिनी षड़ंगी ने बहुत ही भावुक ढंग से रवि राय और उनकी जीवनसंगिनी डॉ सरस्वती स्वाईं को याद करते हुए कहा कि महिलाओं को सम्मान कैसे देना है, समता के विचार को व्यवहार में कैसे लाना है यह रवि राय से और सरस्वती जी से सीखा जा सकता था। धन्यवाद ज्ञापन डॉ राममनोहर लोहिया रिसर्च फाउंडेशन के सचिव राजकुमार रूंगटा ने किया।

उद्घाटन व समापन समारोह का संचालन सरोज झा ने किया।

# वे आज बूढ़े हैं, कल हम भी होंगे

डॉ. नीलू तिवारी
लेखिका

यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है, जो हमारे संस्कारों और संवेदनाओं के लिए बड़ा खतरा है। यह घटना केवल एक समाचार नहीं थी, बल्कि हमारी आत्मा को कंपाने वाला सच था। एक मां जिसने जीवन भर अपने बच्चे के लिए हर दर्द सहा, हर कठिनाई झेली, हर सपने को अपने खून-पसीने से सींचा, उसे उसके ही बेटे ने अंतिम समय में ठुकरा दिया।

**हाल** ही में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में वृद्धाश्रम में रह रही शोभा देवी के निधन के बाद जब बेटे को सूचना दी गई, तो उसने मां का शव लेने से साफ इनकार कर दिया। बेटे ने कहा कि घर में शादी है। शव आने से अपशगुन होगा। फ्रीजर में रखवा दीजिए, बाद में देख लेंगे। घंटों तक मां का पार्थिव शरीर वृद्धाश्रम में ही पड़ा रहा। अंततः प्रशासन ने हस्तक्षेप कर अंतिम संस्कार करवाया। इस घटना ने मां के जीवन भर के त्याग, ममता, समर्पण और प्रेम का मानो सार्वजनिक अपमान कर दिया। यह प्रसंग केवल एक परिवार की असफलता नहीं, बल्कि सभ्यता की आत्मा पर लगा सबसे बड़ा प्रश्नचिह्न है।

यह घटना दिखाती है कि कैसे आज की भागदौड़ और दिखावे की जिंदगी में बुजुर्गों को बोझ समझने की मानसिकता बढ़ रही है, जो हमारे संस्कारों और संवेदनाओं के लिए बड़ा खतरा है। यह घटना केवल एक समाचार नहीं थी, बल्कि हमारी आत्मा को कंपाने वाला सच था। एक मां जिसने जीवन भर अपने बच्चे के लिए हर दर्द सहा, हर कठिनाई झेली, हर सपने को अपने खून-पसीने से सींचा, उसे उसके ही बेटे ने अंतिम समय में ठुकरा दिया। भारतीय समाज में माता-पिता को देवता समान माना जाता है। हमारे शास्त्र कहते हैं कि मातृदेवो भव, पितृदेवो भव। पर आधुनिक समय में यह पवित्र वाक्य केवल किताबों में रह गया है।

व्यवहार में उन माता-पिता के लिए समय निकाल पाना कठिन होता जा रहा है, जिन्होंने बच्चों की हर मुश्किल में उनके लिए जीवन समर्पित किया। यह घटना उसी विसंगति का चरम रूप है, जब एक मां की अर्थी भी बेटे के लिए बोझ बन गई। शादी है, माहौल खराब हो जाएगा, मेहमान क्या कहेंगे? लेकिन कोई यह नहीं पूछता कि एक मां का दिल कितनी बार टूटा होगा, जब उसका बेटा यह निर्णय ले रहा था। मां तो जीवन में कभी भी अपने बच्चों को दोष नहीं देती। अपने अंत समय में भी शायद उसने बेटे को माफ कर दिया होगा, लेकिन सवाल यह है कि क्या समाज यह गलती कभी माफ करेगा?

इस घटना को समझने से पहले हमें उस मां की कल्पना करनी चाहिए, जो जीवन भर अपने बच्चों के लिए जीती रही होगी। वह मां जिसने अपनी थाली से निवाला निकालकर बेटे के सामने रखा होगा, अपने सपनों की कीमत पर बेटे के सपनों को संवारा होगा। वह मां जिसने शायद अनगिनत बार अपने बच्चे की छोटी-छोटी खुशियों में जीवन की सारी परेशानियां भुला दी होंगी। यह वही मां है जिसे अंतिम समय में अपने घर की नहीं, अपने बेटे की नहीं, अपने समाज की नहीं, बल्कि शगुन-अपशगुन की

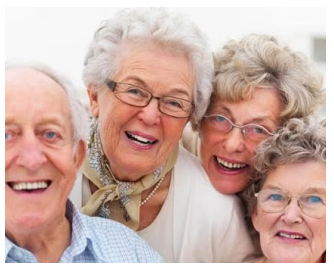

कठोर परंपरा की कोठरी में बंद कर दिया गया। क्या इससे बड़ा कोई क्रूर मजाक हो सकता है कि जिसने बेटे का जीवन दिया, वही अपने अंतिम सम्मान के लिए पराया हो जाए?

अब बात करते हैं आंकड़ों की। देश में 2023 के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बुजुर्ग हैं और 2050 तक यह संख्या 30 करोड़ तक पहुंचने की संभावना है। रिपोर्ट बताती हैं कि इस बढ़ती बुजुर्ग जनसंख्या के साथ-साथ उनके प्रति उपेक्षा की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एक अध्ययन के अनुसार, भारत में बुजुर्गों के खिलाफ मानसिक उत्पीड़न के मामले लगभग 11 प्रतिशत और भावनात्मक उपेक्षा के मामले 20 फीसदी से भी अधिक पाए गए। इसका अर्थ है कि हर पांच में से एक बुजुर्ग किसी न किसी रूप में अपमान, असम्मान या भावनात्मक अकेलेपन से गुजर रहा है। ऐसे में यह समझना कठिन नहीं कि एक पुत्र उस मां का ऋण तक महसूस न कर पाया, जिसने उसे हथेली पर उठा-उठाकर बड़ा किया हो। यह घटना उन आंकड़ों को मानवीय चेहरा देती है, जिनमें छिपी पीड़ा को अक्सर समाज नजरअंदाज करता है।

हमारे समाज में परिवार और बुजुर्गों के प्रति सम्मान पारंपरिक रूप से एक महत्वपूर्ण मूल्य रहा है। बुजुर्गों को परिवार का सम्मानित हिस्सा माना जाता था, लेकिन बदलते समय, शहरीकरण, आर्थिक मजबूरियां, व्यस्त जीवन और सामाजिक दबावों ने परिवारों को बदल दिया है। वृद्धाश्रमों का उपयोग बढ़ा है, क्योंकि परिवारों में बुजुर्गों के लिए अपनी जिम्मेदारी से भागने वालों की संख्या बढ़ी है। जहां बच्चे पढ़ाई, कॅरियर, सोशल मीडिया के चक्कर में बुजुर्गों की उपेक्षा कर रहे हैं, वहां रिश्तों की गर्माहट कम हुई है। ऐसी दर्दनाक घटनाओं के पीछे कई गहरे कारण छिपे होते हैं। सबसे बड़ा कारण है परिवारों में बढ़ती भावनात्मक दूरी, जहां व्यस्त जीवन और संवाद की कमी रिश्तों को कमजोर कर देती है। इसके साथ ही आर्थिक दबाव, नौकरी का तनाव और इलाज-देखभाल का खर्च कई युवाओं को जिम्मेदारी से दूर ले जाता है।

आधुनिक जीवन में संस्कारों और पारिवारिक मूल्यों का क्षरण भी बड़ा कारण है, जहां व्यक्तिवाद बढ़ने से त्याग, कृतज्ञता और बुजुर्गों के प्रति सम्मान पीछे चला गया है। पुराने पारिवारिक विवाद, संपत्ति से जुड़े मनमुटाव और वर्षों की कड़वाहट भी संवेदनाओं को कठोर बना देती है। इसके अलावा मानसिक थकान, तनाव और अवसाद रिश्तों को निभाने की क्षमता को कम करते हैं। सबसे चिंताजनक कारण है समाज का मौन, जहां बुजुर्गों के अपमान या उपेक्षा को लोग घर का मामला कहकर अनदेखा कर देते हैं। यह उदासीनता अंततः ऐसे कठोर व्यवहार को जन्म देती है, जहां एक बेटा अपनी मां के अंतिम सम्मान से भी पीछे हट जाता है। यदि समाज में पांच में से दो बुजुर्ग गरीबी, उपेक्षा या मानसिक असुरक्षा से गुजर रहे हैं और कई ऐसे हैं, जिन्होंने अपने स्वयं के परिवार से सम्मान की उम्मीद छोड़ दी है तो हमें डरना चाहिए कि अगली पीढ़ियां कौन से मूल्य अपनाएंगी?

यह घटना हमें यह भयावह संकेत देती है कि हमारी संवेदनाएं, हमारी संस्कृति, हमारी नैतिकता दिखावे की दौड़ में खोने लग चुकी है। इसलिए जब हम रिश्तों, संस्कारों और मानवता की बात करते हैं तो उन आंकड़ों को भी याद रखें, जो न सिर्फ हमें सच दिखाते हैं, बल्कि हमें चेतावनी भी देते हैं कि अगर हम जागे नहीं तो संवेदनहीनता, उपेक्षा और दुर्भावनाओं का यह दौर आम हो जाएगा। ऐसे में निवारण की शुरूआत परिवार से ही होती है जैसे बुजुर्गों को समय देना, उनसे संवाद करना और उन्हें सम्मान पूर्वक निर्णयों में शामिल कर घर के रिश्तों को मजबूत कर सकता है। बच्चे तभी संवेदना सीखते हैं, जब वे अपने घर में बुजुर्गों के लिए प्यार और सम्मान देखते हैं। शिक्षा प्रणाली को भी बुजुर्गों के सम्मान को केवल नैतिक शिक्षा न मानकर व्यवहारिक शिक्षा बनानी चाहिए ताकि बच्चे उनकी भूमिका, संघर्ष और अनुभव को समझ सकें। समाज को भी आगे आकर सहयोग देना होगा, जिसमें बुजुर्ग सहायता समूह, डे-केयर सेंटर, पड़ोस निगरानी व्यवस्था और सामुदायिक मुलाकातें उनके अकेलेपन को काफी हद तक कम कर सकती हैं। इस मामले में सरकार की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। बुजुर्ग संरक्षण कानूनों का कड़ा पालन, स्वास्थ्य सुविधाओं की सहज उपलब्धता, पेंशन और काउंसलिंग सेवाओं का विस्तार उन्हें सुरक्षा और सम्मान दोनों देता है। परिवारों में समय पड़ने पर काउंसलिंग, बातचीत और मध्यस्थता से पीढ़ी के अंतराल को कम किया जा सकता है, जिससे गलतफहमियां पनपने का मौका ही नहीं मिलता। अंततः असली निवारण समाज की सोच में बदलाव है। हमें यह समझना होगा कि बुजुर्ग बोझ नहीं, बल्कि वह अनुभवों का खजाना हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन हमारे लिए समर्पित किया है।

# संसद को बाधित करना राष्ट्र को बाधित करना है

ललित गर्ग

**भारत** की संसद का शीतकालीन सत्र 1 दिसंबर से आरंभ हो रहा है और इसके प्रारंभ होने से पहले हुई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष ने आने वाले दिनों में संसद की कार्रवाई के हंगामेदार होने का संकेत देने में देर नहीं लगाई। विपक्ष ने स्पष्ट कर दिया है कि वह एस.आई.आर. सहित कई मुद्दों पर जोरदार ढंग से सदन में अपनी आवाज उठाएगा। विपक्ष संसद में सवाल उठाए, आवाज उठाए, यह उसका संवैधानिक अधिकार और कर्तव्य है, लेकिन मुद्दा यह है कि क्या यह अधिकार सार्थक बहस के रूप में सामने आएगा या एक बार फिर हंगामे की भेंट चढ़कर भारत के लोकतंत्र को शर्मसार करेगा। मॉनसून सेशन अगर ऑपरेशन सिंदूर के नाम था, तो इस बार बहस के केंद्र में एस.आई.आर. है। लेकिन, सरकार और विपक्ष-दोनों से ही सदन के भीतर ज्यादा समझदारी, संयम, शालीनता और सहयोग की अपेक्षा है, ताकि सत्र में अधिक काम हो सके। शीतकालीन क19 दिसंबर तक चलना है। इसमें कुल 15 दिन कार्यवाही चलेगी और इस दौरान शिक्षा, सड़क और कॉरपोरेट लॉ संबंधी कई अहम बिल पेश किए जाएंगे। इसी सत्र में हेल्थ सिक्योरिटी एंड नैशनल सिक्योरिटी सेस बिल, 2025 भी रखा जा सकता है, जिसका मकसद देश के हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा तैयारियों के लिए एक नया उपकर लगाना है। सारे ही बिल-प्रस्ताव महत्वपूर्ण हैं और इन पर सार्थक बहस की जरूरत है।

निश्चित दौर पर पिछले अनेक वर्षों से संसद की कार्रवाई हंगामे, शोर-शराबे, नारेबाजी की भेंट चढ़ती रही है। पिछला सत्र इस संदर्भ में बेहद निराशाजनक रहा। वेल में आकर नारेबाजी, कुर्सियां ठोकने, प्लेकार्ड दिखाने और लगातार स्थगन जैसे दृश्य दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक दुर्भाग्यपूर्ण तस्वीर पेश करते रहे। वह सत्र देश के संसदीय इतिहास के सबसे कमजोर प्रदर्शन वाले सत्रों में गिना गया, जब लोकसभा की प्रॉडक्टिविटी महज 31 प्रतिशत के आसपास और राज्यसभा की लगभग 39 प्रतिशत रही। हंगामे और शोर-शराबे की वजह से दोनों सदनों में कई महत्वपूर्ण घंटे बर्बाद हो गए थे। सवाल यह है कि आखिर यह परंपरा कब बदलेगी? कब हमारे जनप्रतिनिधि समझेंगे कि संसद का एक-एक मिनट देश के करोड़ों लोगों की गाढ़ी कमाई से चलता है? एक मिनट का व्यर्थ खर्च लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुंचाता है। संसद केवल बहस का मंच नहीं बल्कि देश की नीतियों, कानूनों और विकास-दिशा को तय करने वाला सर्वोच्च स्थल है। लोकतंत्र की सफलता का मूलमंत्र जनता द्वारा चुनकर भेजे गए प्रतिनिधियों की सजगता, जवाबदेही और गरिमा है। इसलिए संसद का हर क्षण अर्थपूर्ण, कार्यकारी होना चाहिए, हर चर्चा राष्ट्रीय हित को आगे बढ़ाने वाली होनी चाहिए और हर बहस शालीनता तथा परिपक्वता की कसौटी पर खरी उतरनी चाहिए। सत्र को सुचारुरूप से चलाने के लिये सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक आयोजित करना एक स्वस्थ एवं सौहार्दपूर्ण परम्परा एवं एक आशा की किरण है। इस बार भी सत्र शुरू होने से पहले 36 दलों का एक साथ बैठक करना एक अच्छी शुरूआत है। यह बैठक केवल औपचारिकता नहीं बल्कि संवाद और सहयोग की दिशा में एक सार्थक पहल है। देश यह उम्मीद कर सकता है कि यदि सदन का संचालन भी इसी सकारात्मक भावभूमि पर हुआ तो यह सत्र एक आदर्श परंपरा स्थापित कर सकता है। लोकतंत्र में मतभेद होना स्वाभाविक है, परंतु मनभेद अनिवार्य नहीं। संसद उन मनभेदों को संवाद में बदलने का पवित्र स्थान है। निश्चित ही विपक्ष की भी अपनी मांगें हैं, जिसे सर्वदलीय बैठक में रखा गया। विपक्ष राष्ट्रीय सुरक्षा, एसआईआर, वायु प्रदूषण और विदेश नीति पर विस्तृत चर्चा चाहता है। अच्छी बात है कि विपक्षी दलों ने इस बारे में पहले ही अवगत करा दिया है और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू के ही मुताबिक, किसी ने भी यह नहीं कहा कि संसद नहीं चलने दी जाएगी। सरकार और विपक्ष, दोनों का इस पर सहमत होना कि सदन चलना चाहिए, स्वागत योग्य है। **जारी**

## झारखंड

# रामगढ़ में तीन दिन चला अतिक्रमण हटाओ अभियान, सड़कों से हटाए गए ठेले-खोमचे

*GANDIV REPORTER*

**रामगढ़।** शहर में यातायात व्यवस्था सुधारने और सार्वजनिक स्थानों को अतिक्रमण से मुक्त कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने व्यापक स्तर पर तीन दिवसीय अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अभियान के दौरान मुख्य सड़कों पर लगाए गए ठेले-खोमचे, ऑटो-टोटो और अन्य अवैध जमावड़ों को हटाया गया। विशेषकर एमईएस ऑफिस के दोनों ओर बने अवैध ढांचों और ठेलों को तत्काल कार्रवाई करते हुए खाली कराया गया।

अभियान शुरू होते ही ठेला-खोमचा संचालक और फुटपाथ दुकानदार हड़बड़ाकर अपना सामान समेटने लगे, जिससे कुछ देर के लिए अफरातफरी की स्थिति बन गई। हालांकि, पुलिस प्रशासन और छावनी परिषद की संयुक्त टीम ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्था को नियंत्रित किया और मुख्य मार्ग से अतिक्रमण हटाकर यातायात को सुचारू किया। सड़क

पर जाम का कारण बने कई स्टॉल और ठेले भी हटाए गए।

अधिकारियों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह अभियान फिलहाल चेतावनी के रूप में है, लेकिन आगे दोबारा अतिक्रमण पाए जाने पर सामान जब्त होगा और जुमार्ना भी लगाया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि शहर में स्वच्छता, बेहतर आवागमन और सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह कार्रवाई बेहद जरूरी है।

अभियान के तहत कई गुमटियां, खुट्टा-बल्लियां और अन्य सामान जब्त कर कार्यालय भेजा गया। कुछ दुकानदारों ने आरोप लगाया कि जब्त सामान समय पर वापस नहीं मिलता। वहीं, कुछ मामलों में शाम तक गुमटियां छोड़ दी गईं। लेकिन कई लोग दोबारा वहीं जाकर दुकान लगाने लगे। छावनी परिषद टैक्स शाखा प्रभारी एस.एन। रॉव और ओ.पी। चौहान ने बताया कि यह अभियान नियमित रूप से जारी रहेगा। नोझपार्किंग जोन में ऑटो, टोटो या फुटपाथ दुकानें लगाने पर कड़ी रोक रहेगी। अधिकारियों ने कहा कि सड़क पर दुकानें लगने से बार-बार जाम की समस्या उत्पन्न होती है, जिससे आम जनता को बड़ी परेशानी होती है। अभियान में पुलिस पदाधिकारियों के साथ परिषद के गया प्रसाद, अविनाश गोप, सुरेंद्र प्रसाद, राजेंद्र पांडेय सहित बड़ी संख्या में सफाईकर्मी और प्रशासनिक कर्मचारी शामिल रहे।

## बोकारो में बुजुर्ग दंपती की हत्या परिजन इंसाफ की लगा रहे हैं गुहार

*GANDIV REPORTER*

**बोकारो।** जिले के हरला थाना क्षेत्र में बोकारो स्टील प्लांट गेट नंबर 3 के पास स्थित जोशी कॉलोनी में देर रात बुजुर्ग दंपती की निर्मम हत्या घर में ही कर दी गई। बुजुर्ग दंपती जोशी कॉलोनी में चाय और राशन की दुकान चलाते थे। मृतक महावीर साव और कौशल्या देवी बोकारो जिले के गोमिया प्रखंड के चतरो चट्टी थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। मृतक महावीर प्लांट में कैंटीन भी चलाने का काम करते थे। घटना के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। हत्या की वजह क्या है अभी पता नहीं चल पाया है।

स्थानीय लोगों ने जब चाय की दुकान को बंद देखा तो घर का दरवाजा खटखटाया। जब बहुत देर तक बुजुर्ग दंपती की आवाज नहीं सुनी तो लोगों ने दरवाजे को खोला तो देखा कि दोनों की हत्या हो चुकी है। उसके बाद इसकी सूचना हरला थाना पुलिस को दी गई। हरला थाना पुलिस ने घटना की जानकारी मृतक दंपती की बहू और बेटे को दी। परिवार वालों ने स्थानीय युवकों के द्वारा हत्या किए जाने की बात कही है। मामले की जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग की है।

घटनास्थल पर पहुंचे सिटी डीएसपी आलोक रंजन ने कहा कि हत्या की वजह का पता नहीं चल पाया है। लेकिन फॉरेंसिक तरीके से मामले की जांच की जा रही है। डीएसपी ने कहा कि घटना आपसी रंजिश या फिर कुछ विवाद के कारण हो सकती है। डीएसपी ने कहा कि शव देखकर प्रतीत होता है कि किसी तेज धारदार हथियार से हत्या की गई है। उन्होंने कहा कि लूटपाट और चोरी का कोई साक्ष्य नहीं मिला है।

# ठंड में भी किसानों के छूटने लगे पसीने, फसलों का हो रहा नुकसान

*GANDIV REPORTER*

**लोहरदगा।** नवंबर का महीना खत्म होने और दिसंबर का महीना शुरू होने के साथ ही ठंड अब अपने चरम पर है। तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। इसके साथ ही ओस भी गिरने लगी है। जिसकी वजह से फसलों, विशेष तौर पर सब्जियों की खेती पर खतरा मंडरा रहा है। खेत में लगी सब्जियां बर्बाद होने लगी हैं। इस कड़ाके की सर्दी में भी किसानों के चेहरे पर पसीने की बूंद नजर आ रही है।

कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार लोहरदगा जिला में 5500 हेक्टेयर में सब्जियों की खेती होती है। रबी के मौसम में सबसे अधिक खेती आलू की होती है। इसके अलावा धनिया पत्ता, फूलगोभी, पत्ता गोभी, प्याज, लहसुन,

टमाटर आदि की खेती भी बड़े पैमाने पर होती है। लोहरदगा जिला कृषि प्रधान जिला है। यहां पर जिन सब्जियों की खेती की जाती है, उसे न सिर्फ झारखंड के अलग-अलग जिलों, बल्कि छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और बंगाल तक भेजा जाता है। किसान सब्जियों की खेती पर काफी हद तक निर्भर हैं। हाल के समय में मौसम में हुए बदलाव का असर सब्जियों की खेती पर सीधे तौर पर पड़ा है। सब्जियों में झुलसा रोग का खतरा बढ़ चुका है। सब्जियों के पौधे झुलस कर मुरझाने लगे हैं। जिससे इस कड़ाके की सर्दी में भी किसानों के चेहरे

पर पसीने की बूंदें नजर आ रही हैं।

**फसल में पाला मारने का खतरा बढ़ गया है :** हालांकि, एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट किसानों को सलाह दे रहा है कि वे अपनी फसलों को पाले से होने वाले नुकसान से कैसे बचाएं। फिर भी किसानों को लग रहा है कि उनकी कड़ी मेहनत कहीं फिर बर्बाद न हो जाए। पहले ही ज्यादा बारिश की वजह से सब्जियों को काफी नुकसान पहुंचा था। अब इस बार पाला मारने का खतरा बढ़ गया है। नवंबर का महीना खत्म हुआ और दिसंबर शुरू होने के साथ ही खेत में लगी सब्जियों में पाला मारने का खतरा बढ़ गया है। काफी ज्यादा ठंड पड़ने लगी है। जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान हो रहा है।

लोहरदगा जिला में सब्जियों की खेती को मौसम बहुत नुकसान पहुंचा रहा है। सब्जियों के पौधे मुरझाने लगे हैं। उनमें झुलसा रोग का खतरा बढ़ गया है। किसानों को आर्थिक नुकसान का खतरा सता रहा है। यहां पर बड़े पैमाने पर सब्जियों की खेती होती है। हालांकि कृषि विभाग सक्रिय हो चुका है, फिर भी किसानों को नुकसान का डर सता रहा है।

**RNI NO : JHABIL/2019/85684,** Printed and Published by SHREE KANT SINGH on behalf of M/s PAHARI BABA VENTURES PVT LTD and Printed at KHABAR MANTRA PRESS, M/s VRINDA MEDIA PUBLICATIONS PVT LTD, Plot no-342,344 Chiroundi, Boreya Road, Ranchi, Jharkhand-834008 and Published at B-13, JP Market, Dhurwa, Ranchi-834004, Jharkhand, Ph.-06207706623. Editor- **Amarkant*** responsible for selection of news under the PRB Act.

# हाई बीपी कंट्रोल करके ब्रेन फंक्शन में करती है सुधार पीपल के पत्तों की चाय, जानें फायदे व बनाने का तरीका

**पीपल के पेड़ का धार्मिक महत्व तो ज्यादातर लोग जानते हैं लेकिन बहुत कम लोगों को सेहत से जुड़े इसके फायदों के बारे में पता होता है। आयुर्वेद में पीपल को उसके औषधीय गुणों की वजह से सेहत के लिए वरदान माना जाता है। पीपल के पत्तों में प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीज, कॉपर जैसे जरूरी पोषक तत्वों के साथ एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी मौजूद होते हैं। जो सेहत से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। पीपल के पत्तों से बनी चाय हाई बीपी से लेकर पाचन तक में सुधार करने में मदद करती है। आइए जानते हैं पीपल के पत्तों से कैसे बनाई जाती है चाय और सेहत के लिए क्या हैं इसके फायदे।**

### पीपल के पत्तों से कैसे बनाएं चाय

पीपल के पत्तों से चाय बनाने के लिए सबसे पहले एक पतीले में 250 एमएल पानी लेकर उसमें 2-3 पीपल के पत्ते डालकर उबाल लें। पानी को तब तक उबालें जब तक पानी आधा न रह जाए। अब इस पानी को एक बर्तन में छानकर थोड़ा ठंडा होने के लिए रख दें। जब पानी हल्का ठंडा हो जाए तो इसमें शहद मिलाकर इसे पी लें। सुबह खाली पेट इस चाय को पीने से सेहत को अधिक लाभ मिलता है।

### डायबिटीज में फायदेमंद

डायबिटीज रोगियों के ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में पीपल के पत्तों की चाय काफी मदद करती है।

### हाई बीपी को रखें कंट्रोल

हृदय रोगों के जोखिम को कम करने और दिल को स्वस्थ बनाए रखने में पीपल की चाय मदद करती है। ये धमनियों में जमे हुए कोलेस्ट्रॉल को दूर करके शरीर में ऑक्सीजन का संचार अच्छा करती है। जिससे खराब कोलेस्ट्रॉल कम करने और हाई बीपी को कंट्रोल रखने में मदद मिलती है।

### पाचन को रखे दुरुस्त

पीपल की चाय पाचन को दुरुस्त करके पेट संबंधी समस्याएं जैसे पेट में गैस, कब्ज, अपच, ब्लोटिंग, उल्टी-दस्त आदि से छुटकारा दिलाने में मदद करती है।

### बेहतर ब्रेन फंक्शन

मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करके ब्रेन फंक्शन को बेहतर बनाए रखने में भी पीपल की चाय बेहद फायदेमंद है। यह मेमोरी पावर बढ़ाने में भी मदद कर सकती है।

सांस संबंधी समस्याओं को रोकने में फायदेमंद

पीपल की चाय फेफड़ों को स्वस्थ रखने और सांस संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद कर सकती है। यह फेफड़ों को डिटॉक्स करके इंफ्लेमेशन यानी सूजन को दूर करने में मदद करती है।

### सलाह

पीपल के पत्तों की चाय सुबह खाली पेट पीना बेहद फायदेमंद होता है। बावजूद इसके किसी भी तरह के साइड इफेक्ट से बचने के लिए इसका सेवन करने से पहले अपने डॉक्टर की सलाह अवश्य लें।

# शिथिल हड्डियों को बलवान बना सकती हैं यह आयुर्वेदिक चीजें

**हड्डियां** मुख्य रूप से कैल्शियम, फास्फोरस और प्रोटीन से बनी होती हैं। लेकिन इसके अलावा भी इसमें कई मिनिरल्स, विटामिन और कंपाउड होते हैं। हड्डियाँ महत्वपूर्ण अंगों जैसे मस्तिष्क, हार्ट और फेफड़ों को सुरक्षा प्रदान करती हैं। आमतौर पर 20-25 साल की उम्र तक हमारे शरीर में हड्डियों का पूर्ण विकास हो जाता है लेकिन हड्डियां जीवन भर विकसित होनी रहती है। हालांकि जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, हड्डियां कमजोर होती जाती हैं।

ऐसे में अगर हड्डियों को पोषण न मिले तो इसमें से चीजें रिसती जाती हैं। इससे हड्डियां चटकने लगती है। हड्डियों की मजबूती के लिए मुख्य रूप से कैल्शियम, विटामिन डी, फॉस्फोरस, मैग्नीज आदि की जरूरत होती है। इसलिए अगर आप कुछ आयुर्वेदिक चीजों को रेगुलर अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो इससे हड्डियों में मजबूती बनती रहेगी। इनका करें सेवन

**अर्जुन की छाल** : आयुर्वेदिक प्रैक्टिशनर डॉ। डिंपल जांगड़ा बताती हैं कि हड्डियों को मजबूत करने के लिए अर्जुन की छाल बहुत फायदेमंद है। अर्जुन की छाल में एंटीऑक्सीडेंट्स के अलावा कैल्शियम, मैग्नीशियम, आयरन और जिंक भी होते हैं जो बोन डेंसिटी को बढ़ाने में मदद करते हैं।

**अदरक** : अदरक को यदि आप नियमित रूप से खाएंगे तो इससे आपकी हड्डियों में कमजोरी नहीं रहेगी। अदरक में एंटी-इंफ्लामेटरी गुण होता है जो हड्डियों को रिसने नहीं देता है। इसलिए यदि आप सुबह में अदरक को गर्म पानी में उबाल कर पीते हैं तो इससे हड्डियां मजबूत रहेगी। अदरक इसके अलावा भी कई तरह से फायदा पहुंचाएंगा।

**अश्वगंधा** : अश्वगंधा अपने आप में कई तरह के औषधीय गुणों से भरपूर है।आमतौर पर लोग अश्वगंधा को दिमाग तेज करने की दवा के रूप में जानते हैं लेकिन अश्वगंधा हड्डियों को मजबूत करने में भी बहुत कारगर है। अश्वगंधा से बोन डेंसिटी बढ़ती है और यह हड्डियों के ऑवरऑल विकास को प्रोत्साहित करता है।

# करेला के जूस में छिपा है सेहत का राज, रोजाना पीने से मिलेंगे कई फायदे

**करेला** का जूस शरीर के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। यह एक खास तरह की सब्जी होती है। जो कड़वे स्वाद और अपने फायदे के लिए जाने जाते हैं। करेला का जूस सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है। इसमें कई तरह के औषधीय गुण होते हैं। करेला का जूस भले ही स्वाद में कड़वा होता है लेकिन यह पूरे शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है। साथ ही साथ ब्लड में शुगर लेवल को कंट्रोल करने का काम करता है। इसे पीने से हार्ट हेल्थ से लेकर पाचन भी काफी अच्छा होता है।

इसका ड्रिंक पीना है तो आप इसमें नींबू, अदरक और शहद मिलाएं। ताकि इसका स्वाद काफी ज्यादा अच्छा रहे। करेले का जूस विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट्स से होता है भरपूरकरेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन स्रोत होता है, जो इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने में मददगार होते हैं। इसे पीने से इम्यूनिटी बढ़ती है, संक्रमण होने का खतरा भी कम होता है। करेले में मौजूद विटामिन ए और बीटा कैरोटीन की मात्रा आंखों के लिए काफी फायदेमंद होती है, इसे नियमित रूप से पीने से आंखों की रोशनी बढ़ती है। करेले के जूस में विटामिन सी और एंटीऑक्सीडेंट जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं।पिंपल या मुंहासे को भी कम करने में मदद करते हैं।

करेले में मौजूद बिटर्स और अल्कलॉइड तत्व रक्तशोधक का काम करते हैं।करेले का जूस कंट्रोल करता है डायबिटीजकरेले का जूस पीने से डायबिटीज कंट्रोल में होता है। इसे पीने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल नियंत्रण में रहता है। इससे डायबिटीज के लक्षण कम होते हैं यह शरीर में इंसुलिन को एक्टिव करता है। करेले का जूस लीवर के लिए भी हेल्दी होता है, ये लिवर एंजाइम को बढ़ाने के साथ-साथ लिवर को डिटॉक्स करने में भी काफी मददगार होता है। करेले का जूस मोटापे सहित खूनी बवासीर में भी फायदेमंद होता है, इससे पाचन क्रिया सही रहती है।डायबिटीज मरीज के लिए करेले का जूस वरदान की तरह है । यह काफी ज्यादा फायदेमंद होता है। साथ ही इसमें पाए जाने वाले तत्व शरीर में इंसुलिन के लेवल को बढ़ाते हैं। साथ ही शुगर कंट्रोल करते हैं। अगर डायबिटीज मरीज इसे सही तरीके से पढ़े तो यह डायबिटीज मैनेजमेंट में अहम भूमिका निभाता है।

# पेटीकोट कैंसर के शुरूआती लक्षण क्या हैं, कैसे करें बचाव

**महिलाओं** में यूं तो आपने ब्रेस्ट कैंसर और सर्वाइकल कैंसर के बारे में सुना होगा। लेकिन, महिलाएं पेटीकोट कैंसर की चपेट में भी आ रही हैं। ब्रिटिश मेडिकल जर्नल की केस स्टडी में यह खुलासा हुआ है। स्टडी में भारतीय दो महिलाओं में पेटीकोट कैंसर पाया गया है। स्टडी में कहा गया है कि पेटीकोट कैंसर का खतरा उन महिलाओं में ज्यादा रहता है जो कमर पर पेटीकोट को कसकर बांधती हैं। इससे लंबे समय तक स्किन पर ज्यादा दबाव बना रहता है।

इससे जलन पैदा होती है और अल्सर भी हो सकता है। ज्यादा तंग कपड़े पहनने से यह ठीक नहीं हो पाता है और आगे चलकर अल्सर घातक घाव के रूप में परिवर्तित हो जाता है। यह घाव आगे चलकर पेटीकोट कैंसर का रूप लेता है। चलिए जानते हैं कि पेटीकोट कैंसर कैसे होता है और इसके लक्षण क्या हैं। जिन दो महिलाओं में पेटीकोट कैंसर की शिकायत आई हैं। उनका इलाज कर रहे डॉक्टरों के अनुसार कमर पर टाइट रूप से पेटीकोट बांधने से लगातार घर्षण होता है।

जिससे त्वचा में सूजन आ सकती है। कई बार ऐसे में छाले हो सकते हैं और कुछ मामलों में त्वचा कैंसर भी हो सकता है। पेटीकोट कैंसर के शुरूआती लक्षणों के बारे में जानना बेहद जरूरी है क्योंकि, अगर इसके लक्षण पता चल जाएं तो इलाज शुरू किया जा सकता है। इस कैंसर के शुरूआती लक्षण के अनुसार, कमर पर काला निशान हो जाता है। कमर की सतह मोटी हो जाती है। काले-काले धब्बे हो जाते हैं। अगर इस तरह के लक्षण पाए जाते हैं तो तुरंत डॉक्टरों से परामर्श लेना चाहिए।

पेटीकोट कैंसर से बचाव के लिए पेटीकोट को कमर पर टाइट से न बांधे। पेटीकोट का कपड़ा मुलायम रखें। अगर साड़ी पहनी है तो उसकी गांठ ज्यादा टाइट न रखें और रखी है उसे बदलते भी रहें। कमर की त्वचा पर ध्यान दें। वजन को मेनटेन करके रखें। संतुलित आहार और नियमित शारीरिक व्यायाम जरूर करें। बता दें कि स्टडी के अनुसार स्किन कैंसर किसी को भी हो सकता है। हालांकि, पुरुषों की तुलना में स्किन कैंसर महिलाओं में ज्यादा होने की संभावना रहती है।

# बॉडी डिटॉक्स करने के लिए यह है सबसे अच्छा तरीका

**इस** भाग दौड़ भरी लाइफ में लोगों की दिनचर्या खराब हो चुकी है। इससे शरीर में कई तरह के समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में खुद को फिट करने के लिए बॉडी डिटॉक्स करना बहुत जरूरी हो जाता है। अपने शरीर को नेचुरली तरीके से डिटॉक्स करने के लिए कुछ उपाय करना चाहिए। इसके लिए पानी सही मात्रा में पीना चाहिए। ऐसा करने से मेटाबोलिज्म सही रहता है। इसके साथ ही बॉडी डिटॉक्स भी होता है।

अधिक मात्रा में शराब पीना हेल्थ के लिए नुकसानदायक होता है। इससे सेवन से लिवर, फेफड़े पर बुरा असर पड़ता है। इसके साथ ही काम करने की क्षमता भी कम होते हैं। ऐसे में शराब पीने से मना करना चाहिए। इससे बॉडी डिटॉक्स होता है। इसे ठीक करने के लिए एंटी ऑक्सीडेंट से भरपूर फूड आइटम को अपने डाइट में शामिल करना चाहिए। इसके लिए नट्स, बीज, हरी सब्जियां, फल इत्यादि शामिल हैं। इसके साथ ही ग्रीन टी और मौसमी फल शामिल हैं। चीनी का सेवन बहुत ही कम मात्रा में करना चाहिए। इसमें कैलरी अधिक होता है। जिसे हेल्थ मैनेज करना मुश्किल होता है। इसके साथ ही ज्यादा शुगर खाने से लिवर फैट तेजी से बढ़ता है। एक हेल्थी डाइट के लिए आपके भोजन में फाइबर जरूर होना चाहिए। इससे मेटाबॉलिज्म ठीक रहता है। इसके साथ भूख कम लगती है। इसके लिए जौ, बाजरा, ब्रायन राइस, सेव, केला, बीज वाली सब्जियां, पालक शामिल है।

# लोकसभा में विपक्ष का हंगामा, सांसद वेल में पहुंचे, वोट चोर-गद्दी छोड़ के नारे लगाए

## मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा-लोकतंत्र को बचाना जरूरी एसआईआर

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** एसआईआर के खिलाफ विपक्ष का लगातार दूसरे दिन संसद में प्रदर्शन जारी है। लोकसभा की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू होते ही सभी विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू कर दी। कुछ सांसद वेल तक पहुंच गए। स्पीकर ने इस दौरान प्रश्नकाल को जारी रखा, लेकिन विपक्ष लगातार 20 मिनट तक वोट चोर- गद्दी छोड़ के नारे लगाता रहा।

इसके बाद कार्यवाही पहले 12 बजे फिर 2 बजे तक स्थगित कर दी गई। उधर, राज्यसभा में भी विपक्ष का प्रदर्शन और नारेबाजी जारी है। इस बीच कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, लोकतंत्र की रक्षा के लिए विरोध-प्रदर्शन जरूरी है। इससे पहले विपक्ष ने सुबह 10: 30 बजे संसद परिसर में मकर द्वार के सामने लगातार दूसरे दिन प्रदर्शन किया। इनकी मांग है कि सरकार एसआईआर इस पर फौरन चर्चा करे। सत्र के पहले दिन (1 दिसंबर) दोनों सदनों में रक्फ और वोट चोरी के आरोप के मुद्दे पर विपक्ष ने हंगामा किया था। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने राज्यसभा में बताया था कि सरकार रक्फ और चुनावी सुधारों पर चर्चा के लिए तैयार है। विपक्ष से अपील कि वह इस पर कोई समय सीमा न थोपें। सूत्रों के मुताबिक विपक्ष ने तर्क रखा है कि चर्चा में एसआईआर शब्द की जगह सरकार चाहे तो इलेक्टोरल रिफॉर्म या किसी अन्य नाम का उपयोग करते हुए विषय को कार्यवाही में सूचीबद्ध कर ले। सरकार इस तर्क पर राजी हो सकती है। वह इस पर अपना रुख बिजनेस एडवाइजरी कमेटी में रखेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वंदे मातरम् के 150 साल पूरे होने पर सरकार सदन में वंदे मातरम् पर 10 घंटे चर्चा करा सकती है। यह बहस गुरुवार-शुक्रवार को हो सकती है। पीएम मोदी खुद इसमें हिस्सा ले सकते हैं। 30 सितंबर को राज्यसभा की बिजनेस एडवाइजरी कमेटी की बैठक में सत्तारूढ़ दल के कई सदस्यों ने इस चर्चा का प्रस्ताव रखा था। अब तक ऑफिशियल बयान नहीं आया है।

कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने संचार साथी एप को लेकर लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव दिया है।

उन्होंने कहा, गोपनीयता का अधिकार, संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का मूल अधिकार है। दूरसंचार विभाग का यह आदेश कि मोबाइल कंपनियां और आयातक संचार साथी एप को फोन में पहले से इंस्टॉल करें और उसे हटाया भी न जा सके। यह लोगों की गोपनीयता पर सीधा हमला है।

रेणुका चौधरी ने आरोप लगाया कि ऐसा कदम निगरानी बढ़ाने का रास्ता खोलता है और इससे लोगों की हर गतिविधि, बातचीत और फैसले लगातार निगरानी में रहने का खतरा पैदा हो जाता है। उन्होंने कहा कि इसके लिए न पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम हैं और न ही कोई संसदीय निगरानी। संसद में कल हुए हंगामे पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद शशांक मणि त्रिपाठी ने कहा, विपक्ष निराश है, क्योंकि बिहार चुनाव में इखढ को 200 से ज्यादा सीटें मिली हैं। देश की जनता विकसित भारत चाहती है। रक्फ पर चर्चा होगी, लेकिन प्रश्नकाल के दौरान हंगामा करना बिल्कुल गलत है।

## संचार साथी एप पर प्रियंका बोलीं सरकार जासूसी करना चाहती है

### सरकार ने कल कहा था-सभी मोबाइल में इंस्टॉल होगा, आज बोली- डिलीट कर सकते हैं

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** सभी मोबाइल फोन में संचार साथी एप को प्री-इंस्टॉल करने के दूरसंचार विभाग (के आदेश पर राजनीतिक विवाद बढ़ गया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने मंगलवार को कहा कि यह कदम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। सरकार हर नागरिक की निगरानी करना चाहती है। प्रियंका गांधी ने कहा, यह सिर्फ फोन टैपिंग का मुद्दा नहीं है। वे पूरे देश को तानाशाही की ओर ले जा रहे हैं।

संसद इसलिए नहीं चल रही क्योंकि सरकार किसी मुद्दे पर चर्चा ही नहीं होने दे रही। उन्होंने कहा कि साइबर धोखाधड़ी की रिपोर्टिंग के लिए सिस्टम जरूरी है, लेकिन सरकार का ताजा आदेश लोगों की निजी जिंदगी में अनावश्यक दखल जैसा है। प्रियंका ने बताया कि यह एक जासूसी एप है। कांग्रेस इस मुद्दे पर बैठक करेगी और अपनी रणनीति तय करेगी। इस पर केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि ये कंपलसरी नहीं है। चाहे तो यूजर इसे डिलीट कर सकते हैं। इससे पहले सरकार ने कहा था कि सभी मोबाइल फोन में प्री-इंस्टॉल को कंपलसरी है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने भी सरकार के इस आदेश की आलोचना की है। वहीं, कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी ने मंगलवार को इस मुद्दे पर सदन स्थगन नोटिस भी दिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा, मैं सदन में बहस के दौरान बोलूंगा ... अभी टिप्पणी नहीं करूंगा। कांग्रेस सांसद शशि थरूर- संचार साथी एप उपयोगी हो सकता है, लेकिन इसे स्वैच्छिक होना चाहिए।

जिसे जरूरत हो, वह खुद इसे डाउनलोड कर सके। किसी भी चीज को लोकतंत्र में जबरन लागू करना चिंता की बात है। सरकार को मीडिया के जरिए आदेश जारी करने के बजाय जनता को स्पष्ट रूप से बताना चाहिए कि इस फैसले के पीछे तर्क क्या है। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल- यह आम लोगों की प्राइवेसी पर सीधा हमला है। मदद के नाम पर भाजपा लोगों की निजी जानकारी तक पहुंच बनाना चाहती है। भारत में हमने पेगासस जैसे मामले देखे हैं।

अब यह एप लगाकर देश के लोगों की निगरानी करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी- प्राइवेसी का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। संचार साथी एप लोगों की आजादी और प्राइवेसी पर सीधा हमला है। दरअसल अब हर नए स्मार्टफोन में साइबर सिक्योरिटी एप संचार साथी प्री-इंस्टॉल (पहले से डाउनलोड) मिलेगा। केंद्र सरकार ने सोमवार को स्मार्टफोन कंपनियों को आदेश दिया है कि वे स्मार्टफोन में सरकारी साइबर सेफ्टी एप को पहले से इंस्टॉल करके बेचें। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, आदेश में एपल, सैमसंग, वीवो, ओप्पो और शाओमी जैसी मोबाइल कंपनियों को 90 दिन का समय दिया गया है। इस एप को यूजर्स डिलीट या डिसेबल नहीं कर सकेंगे। पुराने फोन पर सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए यह एप इंस्टॉल किया जाएगा।

## पीएम जब बोलते हैं तो दुनिया के दिग्गज सुनते हैं : भागवत

### यह है भारत की बढ़ती ताकत

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के नेता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात ध्यान से सुनते हैं, क्योंकि भारत की शक्ति अब दुनिया के सामने दिखाई देने लगी है और देश अपनी उचित वैश्विक भूमिका वापस पा रहा है। भागवत ने कहा कि शताब्दियों या जयंती जैसे पड़ाव महत्वपूर्ण होते हैं, लेकिन असल ध्यान समय पर काम पूरा करने पर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज को जोड़ने का काम अभी अधूरा है और संघ को आत्ममंथन करना चाहिए कि इस कार्य में इतनी देर क्यों लगी।

संघ के 100 साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है, जब भारत उठता है तो वैश्विक समस्याओं का समाधान मिलने लगता है, संघर्ष कम होते हैं और शांति का मार्ग प्रशस्त होता है। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में दुनिया को भारत से यही उम्मीद है और संघ कार्यकर्ता इसी लक्ष्य के प्रति शुरू से समर्पित रहे हैं। भागवत ने आरएसएस संस्थापक डॉ. हेडगेवार के तप और बलिदान को याद करते हुए कहा कि शुरूआती वर्षों में संघ के कार्यकताओं ने कठिन परिस्थितियों में काम शुरू किया था, जब यह तय नहीं था कि उनके प्रयास कभी परिणाम देंगे या नहीं।

उन्होंने कहा कि उन्हीं कार्यकताओं ने सफलता के बीज बोए और परिवर्तन का मार्ग तैयार किया। प्रधानमंत्री मोदी की वैश्विक स्वीकार्यता का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा- प्रधानमंत्री को दुनिया इसलिए सुनती है, क्योंकि भारत की शक्ति प्रकट हो रही है और दुनिया इस परिवर्तन को देख रही है।

उन्होंने एक प्रसंग साझा करते हुए कहा कि किसी ने उनसे कहा था कि संघ 30 साल देर से आया। इस पर उन्होंने जवाब दिया- हम देर से नहीं आए, आप देर से सुनने लगे। अंत में उन्होंने कहा कि संघ जब संवाद और सामूहिक कार्य की बात करता है तो वह पूरे समाज की बात करता है। भारत की नींव विविधता में एकता पर है और आगे बढ़ने के लिए धर्म और समन्वय अनिवार्य हैं।

### आसाराम की जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका

## पीड़िता के पिता ने कहा दोबारा भेजा जाए जेल

*GANDIV REPORTER*

**शाहजहांपुर।** यौन उत्पीड़न के मामले में दोषी कथावाचक आसाराम इलाज के लिए जमानत पर है। आसाराम की जमानत के खिलाफ यूपी की पीड़िता के पिता ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। आसाराम को दोबारा सलाखों के पीछे भेजने के लिए पीड़िता के पिता ने सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थना पत्र दिया है। पीड़िता के पिता ने कहा है कि आसाराम को कोई बीमारी नहीं है। विशेष ट्रीटमेंट क्यों दिया जा रहा है? इसके लिए याचिका डाली है।

शाहजहांपुर के रहने वाले पीड़िता के पिता ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट में याचिका बेल खारिज करने के लिए दी है। कहा कि बीमारी का बहाना कर अपने लोगों के साथ मिलता-जुलता है, सत्संग करता है। अगर कोई बीमारी है तो जेल में डॉक्टर से इलाज कराया जाए। और भी कैदी बीमार होते हैं तो वह जेल में ही इलाज कराते हैं। आसाराम को क्यों विशेष ट्रीटमेंट दिया जा रहा है? विशेष रियायत क्यों की जा रही है? इसलिए सुप्रीम कोर्ट में अपील की है कि शुक्रवार को सुनवाई हो। आसाराम के के बाहर रहने से मेरे पूरे परिवार को जान का खतरा है। सारे गवाहों को खतरा है।

पीड़िता के पिता ने कहा कि पहले सुरेशानंद और भोलानंद, अब गवाह राहुल सचान गवाह भी गायब है। ऐसे खतरनाक आदमी को बाहर रखना ठीक बात नहीं है। कोर्ट से निवेदन है कि बेल खारिज की जाए। कोर्ट से मांग है कि आसाराम को जेल में रहकर ही इलाज किया जाए, अगर वह बीमार है तो। बता दें कि आसाराम की यह चौथी बार जमानत अवधि बढ़ाई गई है।

## विधानसभा की कार्यवाही स्थगित स्पीकर बने भाजपा के प्रेम कुमार

*GANDIV REPORTER*

**पटना।** बिहार विधानसभा सत्र के दूसरे दिन आज विधानसभा अध्यक्ष का चुनाव हो गया है। जिसके लिए सोमवार को बीजेपी के वरिष्ठ विधायक प्रेम कुमार ने नामांकन किया था। डॉ। प्रेम कुमार को 18 वें विधानसभा अध्यक्ष के रूप में चुना गया है क्योंकि उनके अलावे किसी और ने नामांकन नहीं किया था।

वहीं इसके अलावा आज कई नवनिर्वाचित विधायकों ने शपथ लिया। मोकामा से जदयू के विधायक अनंत सिंह फिलहाल जेल में है, इसलिए उन्होंने शपथ नहीं लिया है। वहीं अमरेंद्र पांडे आज विधानसभा नहीं आये हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और तेजस्वी यादव ने प्रेम कुमार को विधानसभा अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचाया। तेजस्वी यादव ने बधाई देते हुए कहा कि आप तो ज्ञान और मोछ की भूमि से आते हैं पूरी उम्मीद है कि सत्ता पक्ष के साथ विपक्ष को भी लेकर चलेंगे।

बिहार विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों के शपथ ग्रहण के बाद अध्यक्ष के निर्वाचन की प्रक्रिया शुरू होते ही सचिव ने राज्यपाल के आदेश को सदन में पढ़कर सुनाया। अध्यक्ष पद के लिए कुल चार प्रस्ताव प्राप्त हुए, जो सभी भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ विधायक प्रेम कुमार के नाम पर थे।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने प्रेम कुमार के नाम का प्रस्ताव रखा और संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी ने उसका अनुमोदन किया, जिसके बाद सदन में सर्वसम्मति से प्रेम कुमार को बिहार विधानसभा का अध्यक्ष चुन लिया गया।

## तमिलनाडु में भारी बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, स्कूल व कॉलेजों में छुट्टी घोषित

*GANDIV REPORTER*

**चेन्नई।** साइक्लोन दितवाह के बचे हुए असर से लगातार भारी बारिश ने कई इलाकों में आम जनजीवन पर असर डाला है। इस कारण तमिलनाडु के चार जिलों, चेन्नई, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू में मंगलवार को सभी स्कूलों और कॉलेजों में छुट्टी घोषित कर दी गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने चेतावनी दी है कि कोस्ट के पास बना डीप डिप्रेशन तेज बारिश लाता रहेगा। आईएमडी के मुताबिक, चेन्नई से करीब 50 किमी पूरब में एक डीप डिप्रेशन कई घंटों से लगभग एक जगह पर बना हुआ है। उम्मीद है कि यह सिस्टम अगले 12 घंटों में दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और कमजोर होकर डिप्रेशन में बदल जाएगा। साथ ही शहर से करीब 30 किमी दूर चला जाएगा। इसके कमजोर होने के बावजूद, इसकी नजदीकी उत्तरी तमिलनाडु में बारिश की मात्रा को तेज कर रही है

चेन्नई में सुबह से लगातार बारिश हो रही है, जिससे मुख्य सड़कों और रिहायशी इलाकों में भारी पानी भर गया है। गाड़ियां पानी में डूबे हुए हिस्सों से रेंग-रेंगकर गुजरीं, और कई मुख्य सड़कें ट्रैफिक से जाम हो गईं क्योंकि आने-जाने वालों को बाढ़ वाले इलाकों से निकलने में मुश्किल हो रही थी। लगातार हो रही बारिश से शहर के कई हिस्सों में लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

आईएमडी ने कहा, चेन्नई से लगभग 50 किमी पूरब में बना डीप डिप्रेशन अगले 12 घंटों में कमजोर होकर डिप्रेशन में बदल सकता है और शहर से लगभग 30 किमी के करीब आ सकता है। इसके चलते, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में एक या दो जगहों पर गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। चेन्नई, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू और कांचीपुरम के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने यह भी संकेत दिया है कि बुधवार से 5 दिसंबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ हिस्सों में बारिश जारी रहेगी, साथ ही कुछ इलाकों में गरज और बिजली भी गिरेगी। भारी बारिश के अलर्ट के बाद, चार प्रभावित जिलों के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टरों ने एहतियात के तौर पर आज के लिए एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन बंद करने की घोषणा की। मद्रास यूनिवर्सिटी और अन्ना यूनिवर्सिटी ने भी मंगलवार को होने वाली सेमेस्टर परीक्षाएं टाल दी हैं, जिनकी नई तारीखें बाद में बताई जाएंगी। अधिकारियों ने लोगों से गैर-जरूरी यात्रा से बचने, जहां तक हो सके घर के अंदर रहने और सुरक्षा सलाह मानने की अपील की है क्योंकि डिप्रेशन तमिलनाडु तट के पास बना हुआ है।

### हिना बानो और कनिका सिवाच की हैट्रिक की बदौलत भारत ने जूनियर महिला विश्व कप में नामीबिया को 13-0 से हराया

# आईपीएल का ऑक्शन : 2 करोड़ बेस प्राइस में 2 ही भारतीय ही शामिल

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** भारत-साउथ अफ्रीका की सीरीज के बीच सभी निगाहें 16 दिसंबर पर लगी हुई है, जब आईपीएल 2026 का ऑक्शन अबूधाबी में आयोजित किया जाएगा। पिछले महीने 15 नवंबर को सभी आईपीएल टीमों ने अपनी रिटेन लिस्ट जारी कर दी थी, जिसके बाद 77 प्लेयर्स के स्लॉट खाली हैं, जिनमें 37 प्लेयर्स विदेशी चुने जाने हैं। इन 77 स्लॉट के लिए रजिस्ट्रेशन विंडो रविवार को बंद हो गई है, जिसके बाद आईपीएल काउंसिल ने 1,355 क्रिकेटरों की रजिस्ट्रेशन लिस्ट सभी टीमों के साथ शेयर कर दी है। इसमें सबकी निगाहें 2 करोड़ रुपये के सबसे ज्यादा बेस प्राइस वाले एलीट ग्रुप पर है, जिसमें केवल 45 क्रिकेटरों को जगह दी गई है। इसमें भी खास बात ये है कि केवल 2 ही भारतीय क्रिकेटरों को इस एलीट ग्रुप में रखा गया है। आंद्रे रसल के बाद अब ग्लेन मैक्सवैल के भी आईपीएल 2026 का ऑक्शन से दूरी बना लेने पर सबसे ज्यादा चर्चा ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की हो रही है।

**हर टीम को चुनने हैं अधिकतम 25 प्लेयर्स :** आईपीएल के 19वें सीजन के लिए हर टीम को अधिकतम 25 प्लेयर्स का स्क्वॉयड फाइनल करना है, जिसमें रिटेन किए गए खिलाड़ी भी शामिल हैं। आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने 16 दिसंबर को होने वाले ऑक्शन के लिए सभी टीमों को रजिस्ट्रेशन कराने वाले 1,355 प्लेयर्स में से अपनी विश लिस्ट तैयार करने

को कहा है। हर फ्रेंचाइजी को 5 दिसंबर तक अपनी शॉर्टलिस्ट काउंसिल को सौंपनी है।

**दो ही भारतीयों को मिली है लिस्ट में जगह :** सबसे ज्यादा बेस प्राइस वाले एलीट ग्रुप में केवल दो भारतीय क्रिकेटरों को जगह मिली है। इनमें पिछले सीजन में 23.5 करोड़ रुपये की रकम पाकर सभी को चौंकाने वाले वेंकटेशन अय्यर शामिल हैं, जिन्हें इस बार कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिलीज कर दिया है। इसके अलावा दूसरा नाम लेग स्पिनर रवि बिश्नोई का है, जिन्हें पिछले साल लखनऊ सुपर जॉयंट्स ने 11 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। लेकिन आईपीएल 2025 में खराब परफॉर्मेंस के बाद इस बार एलएसजी ने बिश्नोई को रिलीज कर दिया है।

**कैमरन ग्रीन पर रहेंगी सबसे ज्यादा निगाहें :** आईपीएल 2026 का ऑक्शन में सबसे ज्यादा चर्चा ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरन ग्रीन की हो रही है। ग्रीन कमर की चोट के कारण आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन में शामिल नहीं हो सके थे, लेकिन इस बार यह ऑस्ट्रेलियाई प्लेयर टीमों का प्राइम टारगेट माना जा रहा है। खासतौर पर ग्रीन को लेकर कोलकाता नाइट राइडर्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच सबसे ज्यादा फाइट होने के आसार हैं, क्योंकि इन्हीं दोनों टीमों के पास सबसे बड़ा पर्स मौजूद है। केकेआर के पास 64.3 करोड़ रुपये और उरङ के पास 43.4 करोड़ रुपये बचे हुए हैं। दोनों ही टीमों के पास ओवरसीज प्लेयर स्लॉट भी खाली है। केकेआर ने वेस्टइंडीज के दिग्गज आंद्रे रसल को रिलीज किया है, तो सीएसके के लिए राजस्थान रॉयल्स के साथ संजू सैमसन को लेकर हुई डील में रविंद्र जडेजा और इंग्लैंड के ऑलराउंडर सैम कुरैन को देने के कारण यह जगह खाली हो गई है। केकेआर ने वेंकटेश अय्यर को भी रिलीज किया है। रसल और अय्यर को रिलीज करने के चलते उसके पास बहुत मोटी रकम बची है और उसे बढ़िया ऑलराउंडर की जरूरत भी है। केकेआर को 12 प्लेयर्स खरीदने हैं, जिनमें से 6 विदेशी रहेंगे। अब देखना है कि इतने प्लेयर्स को खरीदते समय शाहरुख खान की टीम नीता अंबानी की टीम से कहां तक टक्कर ले सकती है?

यह है 2 करोड़ बेस प्राइस की पूरी प्लेयर लिस्ट रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कूपर कोनॉली, जैक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस, स्टीव स्मिथ, मुश्तफिजुर रहमान, गस एटकिंसन, टॉम बेन्टन, टॉम कुरैन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, लियाम लिविंगस्टोन, टायमल माइल्स, जैमी स्मिथ, फिन एलन, मिचेल ब्रेसवैल, डेवन कॉन्वॉय, जैकब डफी, मैट हेनरी, कायले जैमिसन, एडम मिलने, डेरिल मिचेल, विल ओ'रूकी, रचिन रविंद्र, गेराल्ड कोएत्जे, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नोर्त्जे, रिली रोसॉऊ, तबरेज शम्सी, डेविड विज, वानिदु हसरंगा, मथीशा पथिराना, महीश ठीकशाना, जेसन होल्डर, शाई होप, अकील हुसैन और अल्जारी जोसेफ।

# सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : सचिन तेंदुलकर की तरह दहाड़े अर्जुन तेंदुलकर, बल्लेबाजों का निकाला तेल

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में गोवा और मध्य प्रदेश का मुकाबला कोलकाता के जेयू सेकिंड कैम्पस में खेला गया। इस बात से हर कोई वाकिफ है कि महान सचिन तेंदुलकर के बेटे अर्जुन तेंदुलकर अब गोवा के लिए डॉमेस्टिक क्रिकेट खेलते हैं। इस मैच में अर्जुन ने शानदार गेंदबाजी की और सबका ध्यान अपनी ओर खींचा।

**मध्य प्रदेश के बल्लेबाजों को अर्जुन ने किया परेशान :** अर्जुन तेंदुलकर ने मध्य प्रदेश के खिलाफ गेंदबाजी में शानदार आगाज किया था। शुरूआती 2 ओवर में 5 रन देकर उन्होंने 2 विकेट निकाल लिए थे। हालांकि, इसके बाद अगले 2 ओवर में अर्जुन थोड़े महंगे साबित हुए। लेकिन, इसके

बावजूद उन्होंने अपनी गेंदबाजी से सबको प्रभावित किया। 4 ओवर में अर्जुन ने कुल 36 रन देकर 3 विकेट लिए। तेंदुलकर लगातार घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और कड़ी मेहनत कर रहे हैं। आईपीएल 2026 में अर्जुन तेंदुलकर को वो ब्रेक मिल सकता है, जिसका वह लंबे समय से इंतजार कर रहे हैं।

**मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में ट्रेड हुए अर्जुन :** बता दें कि रिटेन और रिलीज खिलाड़ियों की लिस्ट जारी होने से पहले अर्जुन तेंदुलकर मुंबई इंडियंस से लखनऊ सुपर जायंट्स में 30 लाख रुपये में ट्रेड हो गए थे। वह अब एलएसजी के लिए खेलते हुए नजर आएंगे। अर्जुन ने 2023 में आईपीएल डेब्यू किया था। अब तक उन्होंने 5 आईपीएल मुकाबलों में 3 विकेट लिए हैं।

**वेंकटेश अय्यर के लिए काल बने अर्जुन तेंदुलकर :** गोवा और मध्य प्रदेश के बीच खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के मैच में अर्जुन तेंदुलकर ने एमपी के लिए खेल रहे वेंकटेश अय्यर को सस्ते में आउट कर दिया। इस मैच में वेंकटेश पूरी तरह से फ्लॉप रहे। उन्होंने 13 गेंदों का सामना कर सिर्फ 6 रन बनाए। बता दें कि आईपीएल 2026 के लिए मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को होने वाला है। निलामी से पहले इस तरह का प्रदर्शन वेंकटेश अय्यर को भारी पड़ सकता है। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के मुताबिक, अय्यर ने खुद का बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखा है।

आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में कोलकाता नाइटराइडर्स ने वेंकटेश अय्यर को 23.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। लेकिन, वह अपने इस प्राइस को साबित नहीं कर पाए थे और पूरी तरह से फ्लॉप हो गए थे। इसके बाद अब केकेआर ने वेंकटेश अय्यर को रिलीज कर दिया था।

# लगातार फ्लॉप होने के बाद बोला वैभव सूर्यवंशी का बल्ला, ठोका तूफानी शतक

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** कोलकाता के ईडन गार्डन्स में सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025 का ग्रुप स्टेज मुकाबला बिहार और महाराष्ट्र के बीच खेला गया। इस मैच में बिहार के लिए ओपनिंग करने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने शतक ठोक डाला। हालांकि, इससे पहले वैभव का बल्ला सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में पूरी तरह से खामोश रहा था। वह तीनों मैचों में सस्ते में आउट हो गए थे। लेकिन, महाराष्ट्र के खिलाफ सूर्यवंशी ने दमखम दिखाया। सूर्यवंशी अंत तक नाबाद रहे। उन्होंने 61 गेंदों का सामना कर 177.05 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 108 रन बनाए। वैभव सूर्यवंशी की पारी में 7 चौके और 7 छक्के शामिल थे। वैभव सूर्यवंशी के बूते बिहार की टीम 3 विकेट के नुकान पर 20 ओवर में 176 रन बनाने में सफल रही।

**राजस्थान रॉयल्स ने किया वैभव सूर्यवंशी को रिटेन :** आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन से पहले राजस्थान रॉयल्स ने वैभव सूर्यवंशी को रिटेन कर लिया था। बता दें कि आईपीएल 2025 के मेगा ऑक्शन में राजस्थान ने वैभव को 1.10 करोड़ रुपये में खरीदा था। वैभव ने डेब्यू आईपीएल सीजन में ही 35 बॉल में गुजरात टाइटंस के खिलाफ शतक लगाकर अपने नाम का डंका बजा दिया था। वह आईपीएल में सेंचुरी लगाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं। इसके अलावा उनके नाम आईपीएल की दूसरी सबसे तेज सेंचुरी है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में कुल 7 मुकाबले खेले थे और 252 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट भी 200 से ऊपर का रहा था। आईपीएल 2026 में वैभव सूर्यवंशी राजस्थान रॉयल्स के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं। हाल ही में राइजिंग स्टार्स एशिया कप 2025 में वैभव सूर्यवंशी ने 42 गेंद में 144 रन की विस्फोटक पारी खेली थी। 324.85 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए सूर्यवंशी ने 11 चौके और 15 छक्के अपनी पारी में जड़े थे।

### आईपीएल 2026 का ऑक्शन के लिए 1355 प्लेयर्स ने किया रजिस्ट्रेशन

# ग्लेन मैक्सवेल ने आईपीएल 2026 से नाम लिया वापस, सता रहा ना बिकने का डर

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** आईपीएल 2026 का मिनी ऑक्शन 16 दिसंबर को अबू धाबी के एथिहाद एरिना में होने वाला है, जिसके लिए फैंस के बीच काफी ज्यादा एक्साइटमेंट है। बीते 15 नवंबर को सभी फ्रेंचाइजियों ने अपने रिटेन प्लेयर्स की लिस्ट जारी कर दी थी। फाफ डुप्लेसिस, आंद्रे रसेल और ग्लेन मैक्सवेल जैसे बड़े खिलाड़ी रिलीज हो गए थे। हालांकि, अब तीनों ही इस बार के ऑक्शन में भी नजर नहीं आएंगे। जहां रसेल ने आईपीएल से रिटायरमेंट ले लिया और कोलकाता नाइटराइडर्स के साथ बतौर पावर कोच जुड़ गए। वहीं फाफ डुप्लेसिस ने निलामी से नाम वापस लेकर पाकिस्तान सुपर लीग में खेलने का फैसला किया है। ग्लेन मैक्सवेल ने मिनी ऑक्शन के लिए अपना नाम रजिस्टर नहीं करवाया है।

**1355 प्लेयर्स ने किया ऑक्शन के लिए रजिस्ट्रेशन :** ईएसपीएनक्रिकइंफो की एक रिपोर्ट के मुताबिक, 1355 प्लेयर्स ने आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन के लिए रजिस्टर किया है। इस लिस्ट में ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडप ग्लेन मैक्सवेल का नाम नहीं है। वहीं सिर्फ 2 भारतीय खिलाड़ी रवि बिश्नोई और वेंकटेश अय्यर ने अपना बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखा है।

सभी 10 फ्रेंचाइज़ियों की विश लिस्ट प्राप्त करने के बाद सूची में कटौती होगी। आईपीएल ने फ्रेंचाइज़ियों के लिए अपने शॉर्ट लिस्ट किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट जमा करने की डेडलाइन 5 दिसंबर रखी है। बता दें कि 77 स्लॉट इस बार खाली होंगे, जिसमें 31 विदेशी प्लेयर्स की जगह खाली है।

**कैमरन ग्रीन पर लग सकती सबसे बड़ी बोली :** आईपीएल 2026 के मिनी ऑक्शन में सबसे बड़ी बोली ऑस्ट्रेलिया के कैमरम ग्रीन पर लग सकती है। ग्रीन ने अपना बेस प्राइस 2 करोड़ रुपये रखा है। उनके पीछे बिडिंग वॉर अबू धाबी में हो सकती है।

**2 करोड़ के बेस प्राइस वाले खिलाड़ी**

रवि बिश्नोई, वेंकटेश अय्यर, मुजीब उर रहमान, नवीन उल हक, सीन एबॉट, एश्टन एगर, कूपर कोनोली, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, कैमरन ग्रीन, जोश इंगलिस, स्टीव स्मिथ, मुस्तफिजुर रहमान, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, टॉम कुरेन, लियाम डॉसन, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, लियाम लिविंगस्टोन, टाइमल मिल्स, जेमी स्मिथ, फिन एलन, माइकल ब्रेसवेल, डेवोन कॉनवे, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, विल ओ'रूर्के, रचिन रवींद्र, गेराल्ड कोएट्जी, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिक नॉर्टजे, रिले रूसोउ, तबरेज शम्सी, डेविड विसे, वानिंदु हसरंगा, मतीशा पथिराना, महेश थीक्षाना, जेसन होल्डर, शाई आशा, अकील होसेन, अल्जारी जोसेफ।

# कतर ग्रां प्री में वेरस्टापेन का जलवा

### अंक तालिका में नॉरिस के करीब, खिताब की जंग जारी

*GANDIV REPORTER*

**नई दिल्ली।** कतर ग्रां प्री में मैक्स वेरस्टापेन की निर्णायक जीत ने खिताबी मुकाबले को और रोमांचक बना दिया है, हालांकि लैंडो नॉरिस अभी भी अंक तालिका में शीर्ष पर हैं। सेफ्टी कार के बाद मैक्लारेन की पिट रणनीति में चूक ने वेरस्टापेन को बढ़त बनाने का मौका दिया, जबकि कार्लोस सैंज ने पोडियम हासिल कर समीकरणों को और जटिल बना दिया। यह जीत वेरस्टापेन को चैंपियनशिप की दौड़ में मजबूती से वापस लाती है, और अब अबू धाबी में अंतिम रेस में तीन ड्राइवरों के बीच खिताब की जंग तय होगी। कतर ग्रैंड प्रिक्स की रात कुछ अलग ही रोमांच लेकर आई, क्योंकि मुकाबले ने न केवल ड्राइवरों को, बल्कि दर्शकों को भी आखिरी लैप तक बांधे रखा है। मौजूद जानकारी के अनुसार, मैक्स वेरस्टापेन ने एक बार फिर अपनी रणनीतिक क्षमता और ट्रैक पर नियंत्रण दिखाते हुए ऑस्कर पियास्त्री को पीछे छोड़ जीत दर्ज

की है। गौरतलब है कि यह जीत वेरस्टापेन को खिताबी दौड़ में निर्णायक रूप से वापस लाती है, जबकि लैंडो नॉरिस चौथे स्थान पर रहकर भी कुल अंक तालिका में शीर्ष पर बने हुए हैं। रेस की शुरूआत में पियास्त्री ने पोल पोज़िशन से बढ़त ली, लेकिन शुरूआती लैप में ही नॉरिस को पीछे धकेलते हुए वेरस्टापेन दूसरे स्थान पर आ गए। बता दें कि सातवें लैप पर हुल्केनबर्ग और गैस्ली की टक्कर के बाद आई सेफ्टी कार ने रणनीति का खेल पूरी तरह बदल दिया है। लगभग सभी प्रमुख टीमों ने इस मौके पर पिट स्टॉप किया, जबकि सिर्फ मैक्लारेन ने जोखिम लेते हुए अपने दोनों ड्राइवरों को ट्रैक पर बनाए रखा। मैक्लारेन की यह रणनीति आगे चलकर भारी पड़ती दिखी, क्योंकि 25वें लैप तक दोनों को अनिवार्य रूप से रुकना पड़ा और तब तक वेरस्टापेन तेज रफ्तार से बढ़त बना चुके थे। दूसरी ओर, पियास्त्री ने रेस की गति और स्थिरता बनाए रखी, लेकिन निर्णायक पलों में वेरस्टापेन की रफ्तार और पिट रणनीति ने अंतर पैदा कर दिया है। वहीं, विलियम्स के कार्लोस सैंज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इस सीजन का अपना दूसरा पोडियम हासिल किया, जिसने चैंपियनशिप समीकरणों में नई दिलचस्पी जोड़ दी है। फिनिशिंग लैप्स में नॉरिस ने अंटोनेल्ली को पीछे छोड़ चौथा स्थान वापस हासिल किया, जो खिताबी दौड़ के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मौजूद आंकड़ों के अनुसार, अंक तालिका में अब नॉरिस 408 अंकों के साथ पहले, जबकि वेरस्टापेन 396 और पियास्त्री 392 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

# जब अनन्या पांडे की एक्टिंग से खुश होकर निर्देशक ने दिया 500 रुपए का इनाम

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने अपनी एक्टिंग और खूबसूरती से काफी कम वक्त में फैंस के दिलों में खास जगह बना ली है। 30 अक्टूबर को अनन्या अपना जन्मदिन सेलिब्रेट कर रही हैं। अनन्या ने फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 से बॉलीवुड डेब्यू किया था।

भले ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई हो लेकिन अनन्या की एक्टिंग को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद अनन्या, कार्तिक आर्यन के साथ फिल्म पति पत्नी और वो में नजर आई थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान अनन्या की शानदार एक्टिंग देखकर निर्देशक मुदस्सर अजीज खुश हो गए थे। इतना ही नहीं उन्होंने इसके लिए अनन्या पांडे को 500 रुपये दे दिए थे। एक इंटरव्यू के दौरान अनन्या पांडे ने बताया था कि वह कार्तिक आर्यन के साथ एक सीन शूट कर रही थीं। इसमें उन्हें कोई डायलॉग नहीं बोलना था। कार्तिक आर्यन के डायलॉग पर मुझे सिर्फ रिएक्ट करना था जो कि आमतौर पर काफी कठिन होता है।

अनन्या ने कहा था, शॉट कंप्लीट होने के बाद मुदस्सर सर ने सीन की खूब प्रशंसा की। इसके बाद वह मेरे पास आए। मुझे 500 रुपये का नोट देते हुए कहा कि मुझे यह शॉट बहुत पसंद आया। अनन्या पांडे ने हाल ही में अक्षय कुमार के साथ फिल्म केसरी 2 में नजर आई थीं। वह जल्द ही कार्तिक आर्यन के साथ तु मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तु मेरी में नजर आने वाली हैं। अनन्या ने कहा था, यह मुझे अचानक किसी और की तरह बनने के लिए प्रेरित करता है। जब मैं खुद को बिलबोर्ड पर देखती हूं।

# जय भानुशाली से माही विज ने तलाक की अफवाहों को नकारा

टेलीविजन अदाकारा माही विज ने पति जय भानुशाली से तलाक की अफवाहों पर कड़ा रुख अपनाते हुए उन्हें झूठी बातें करार दिया है। उन्होंने इन गलत सूचनाओं पर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी है, जबकि कुछ रिपोर्ट्स में उनके जुलाई-अगस्त 2025 तक तलाक के कागजात अंतिम होने और बच्चों की कस्टडी तय होने का दावा किया गया था। यह घटनाक्रम सोशल मीडिया पर चल रही सेलिब्रिटी कपल की शादी की अटकलों को और हवा दे रहा है।

टेलीविजन अदाकारा माही विज ने जय भानुशाली के साथ अपनी शादी में परेशानियों की अफवाहों पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इंस्टाग्राम पर एक रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, उन्होंने इसे ह्लझूठी बातेंह्व बताया और चेतावनी दी कि वह गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए तैयार हैं। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब ऑनलाइन चचाओं में यह दावा किया जा रहा है कि यह जोड़ा तलाक की ओर बढ़ रहा है। माही विज, जय भानुशाली के साथ तलाक की अफवाहों का खंडन करते हुए उन्हें झूठी बातेंह्व बता रही हैं और गलत सूचना फैलाने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की धमकी दे रही हैं। यह बात उन खबरों के बाद आई है जिनमें दावा किया गया था कि उनके तलाक के कागजात जुलाई और अगस्त 2025 के बीच फाइनल हो गए थे, जिसमें विश्वास के मुद्दे को एक बड़ा कारण बताया गया था।

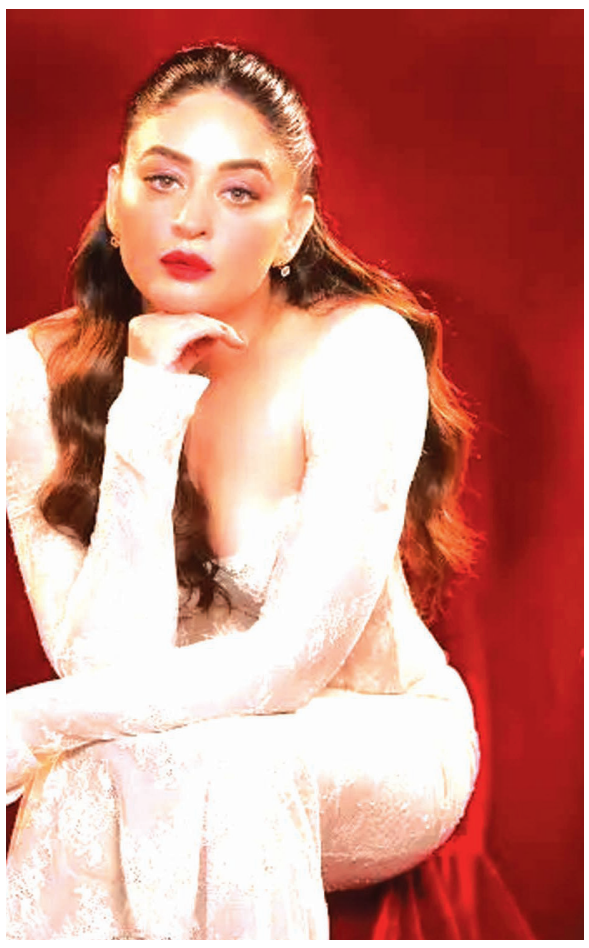

# दिल्ली क्राइम सीजन 3 : शेफाली शाह और हुमा कुरैशी आमने-सामने! दिल्ली क्राइम 3 में मानव तस्करी की दिल दहला देने वाली कहानी

नेटफ्लिक्स पर 13 नवंबर को रिलीज हो रहे दिल्ली क्राइम सीजन 3 में शेफाली शाह और हुमा कुरैशी मानव तस्करी के जघन्य अपराध का खुलासा करेंगी। यह बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज एक लापता बच्चे के मामले से शुरू होकर देशव्यापी जाल का पदार्फाश करती है, जो पिछली सीरीज की तरह ही वास्तविक घटनाओं से प्रेरित है। दर्शकों को एक गहन और भावनात्मक ड्रामा देखने को मिलेगा।

कानून के दोनों तरफ दो ताकतें, एक ऐसा अपराध जो पूरे देश और उसके बाहर फैला हुआ है, और एक ऐसा पीछा जो हमारे आसपास के समाज की छिपी सच्चाइयों को उजागर करता है। नेटफ्लिक्स इंडिया की प्रशंसित अंतर्राष्ट्रीय एमी® विजेता सच्ची अपराध ड्रामा सीरीज 13 नवंबर को अपने तीसरे सीजन के साथ लौट रही है, जिसमें उनका सबसे बड़ा मामला है जो न केवल राजधानी, बल्कि पूरे देश को झकझोर कर रख देता है - दिल्ली क्राइम।

शेफाली शाह द्वारा अभिनीत मैडम सर और उनकी दमदार टीम का सामना बड़ी दीदी (हुमा कुरैशी) से होता है - एक क्रूर मास्टरमाइंड जो छोटी लड़कियों के भविष्य का सौदा करके अपना साम्राज्य खड़ा करती है। एक परित्यक्त बच्ची एक ऐसे खतरनाक रास्ते का खुलासा करती है जो मानव तस्करी की क्रूर वास्तविकताओं को उजागर करता

है, और अपराधियों की तलाश में देश भर में एक भयावह चूहे-बिल्ली की दौड़ शुरू कर देता है।

**दिल्ली क्राइम सीजन 3 का ट्रेलर**

दिल्ली क्राइम सीजन 3 की घोषणा करने वाला प्रोमो 18 अक्टूबर को जारी किया गया था, जिससे दर्शकों को वर्तिका और उनकी टीम के आगे के सफर की एक झलक मिली। हर सीजन की तरह, इसका माहौल गहरा, गहन और भावनात्मक रूप से भरा हुआ है - जो दिल्ली क्राइम की पहचान है। टीजर में चेतावनी दी गई है, खौफ को मिलेगा जवाब कानून से, जब मैडम सर टकराएँगी बड़ी दीदी से। 13 नवंबर को रिलीज हो रहा दिल्ली क्राइम सीजन 3 देखें, सिर्फ. नेटफ्लिक्स पर।

**दिल्ली क्राइम सीजन 3 के कलाकार कौन हैं?**

हालाँकि नेटफ्लिक्स ने अभी तक दिल्ली क्राइम 3 के मुख्य कलाकारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन शेफाली शाह डीसीपी वर्तिका चतुर्वेदी के रूप में अपनी पुरस्कार विजेता भूमिका में हैं। इस बार उनके साथ हुमा कुरैशी भी शामिल हैं, जो कलाकारों में उनकी नई जोड़ी है। शुरूआत से ही, दिल्ली क्राइम का नेतृत्व शेफाली ने किया है, साथ ही रसिका दुग्गल और राजेश तैलंग भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

**दिल्ली क्राइम सीजन 3 की कहानी क्या होगी?**

इस बार, दिल्ली क्राइम मानव तस्करी की अंधेरी और परेशान करने वाली दुनिया में उतरेगा। कहानी कथित तौर पर एक लापता बच्चे के मामले से शुरू होती है जो सीमा पार तस्करी के नेटवर्क में बदल जाती है - एक ऐसा अपराध जो वर्तिका की टीम को दिल्ली से आगे बढ़ने के लिए मजबूर करता है। कथित तौर पर, नया सीजन भी पिछले सीजन की तरह ही वास्तविक जीवन की घटनाओं से प्रेरित होगा।

**दिल्ली क्राइम वेब सीरीज ऑनलाइन कहाँ देखें**

दिल्ली क्राइम सीजन 1 और सीजन 2 वर्तमान में नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग कर रहे हैं। आगामी सीजन भी विशेष रूप से इसी प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध होगा। वैश्विक रिलीज इसे एक ही दिन में विभिन्न देशों के दर्शकों के लिए उपलब्ध कराएगी। दिल्ली क्राइम की शुरूआत सीजन 1 (2019) में एक बेहद रोमांचक शुरूआत के साथ हुई थी, जिसमें 2012 के दिल्ली गैंगरेप मामले की जाँच-पड़ताल को दर्शाया गया था। सीजन 2 (2022) में मुख्य ध्यान खतरनाक कच्चा बनियान गिरोह पर केंद्रित था, जो बुजुर्गों को निशाना बनाने वाले नकाबपोश लुटेरों का एक समूह था।

# थम्मा से टक्कर के बावजूद एक दीवाने की दीवानियत का जलवा, 22 करोड़ का आंकड़ा पार

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत एक दीवाने की दीवानियत ने बॉक्स ऑफिस पर तीसरे दिन 22 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई कर अपनी दमदार उपस्थिति दर्ज कराई है। मिलाप जावेरी निर्देशित इस रोमांटिक थ्रिलर को धीमी समीक्षाओं और कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद दर्शकों, विशेषकर गैर-मेट्रो शहरों में, का भरपूर प्यार मिला है।

हर्षवर्धन राणे और सोनम बाजवा अभिनीत एक दीवाने की दीवानियत को थम्मा से कड़ी टक्कर मिलने के बावजूद शानदार प्रतिक्रिया मिली है। यह रोमांटिक थ्रिलर विक्रमादित्य की कहानी है, जिसका अदा के लिए प्यार एक अस्वस्थ जुनून में बदल जाता है क्योंकि उसकी असुरक्षाएँ हावी हो जाती हैं।

दिवाली के आसपास रिलीज हुई इस फिल्म ने पहले दिन लगभग 9 करोड़ रुपये की कमाई के साथ सकारात्मक शुरूआत की। 25-30 करोड़ रुपये के कथित बजट को देखते हुए, मिलाप जावेरी निर्देशित इस फिल्म ने दर्शकों को आकर्षित करने में कामयाबी हासिल की है और सप्ताहांत में इसके बॉक्स ऑफिस आंकड़े लगातार बढ़ रहे हैं। कुछ रिपोर्टों के अनुसार, निमार्ताओं के अनुसार, फिल्म की पहले दिन की कमाई 10 करोड़ रुपये से थोड़ी अधिक थी।

# वश लेवल 2, ओजी, परम सुंदरी... नई कहानियों का संगम!

## इस वीकेंड ओटीटी पर रिलीज हो रही ये खास फिल्में और सीरीज

इस वीकेंड (20-26 अक्टूबर, 2025) ओटीटी प्लेटफॉर्म पर नई फिल्मों और वेब सीरीज का शानदार लाइनअप आ रहा है। नेटफ्लिक्स, अमेजन प्राइम वीडियो और जियो हॉटस्टार जैसी प्रमुख सेवाओं पर हॉरर सीक्वल वश लेवल 2, पवन कल्याण की एक्शन फि ल्म ह्यदे कॉल हिम ओजी और रोमांटिक ड्रामा परम सुंदरी सहित कई रिलीज देखने लायक हैं। दर्शक एक्शन, थ्रिलर, ड्रामा और रियलिटी शो के बीच अपनी पसंद चुन सकते हैं।

इस हफ़्ते ओटीटी रिलीजः एक और रोमांचक हफ़्ते के साथ, ओटीटी प्लेटफॉर्म नई कहानियाँ पेश कर रहे हैं, जिनमें जबरदस्त क्राइम थ्रिलर और सुपरहीरो ड्रामा से लेकर रियलिटी शो तक शामिल हैं। चाहे आप धमाकेदार एक्शन देखने के मूड में हों या हल्के-फुल्के मनोरंजन के, इस हफ़्ते के ओटीटी लाइनअप में सभी के लिए कुछ न कुछ है। 20 से 26 अक्टूबर, 2025 के बीच आने वाली कुछ बेहतरीन नई रिलीज यहाँ दी गई हैं जिन्हें आपको मिस नहीं करना चाहिए। इस वीकेंड, अमेजन प्राइम वीडियो, नेटफ्लिक्स और जियोहॉटस्टार जैसे प्लेटफॉर्म पर कई नई फि ल्में और वेब सीरीज ओटीटी पर उपलब्ध होंगी। आइए उन पर एक नजर डालते हैं जो ऑनलाइन देखने के लिए उपलब्ध हैं।

**वश लेवल 2**

कहानीः कृष्णदेव याज्ञनिक द्वारा निर्देशित, यह कहानी पहली फिल्म (वश, जिसका हिंदी में शैतान नाम से रीमेक बनाया गया है) के 12 साल बाद अलौकिक हॉरर गाथा को आगे बढ़ाती है। अथर्व राक्षस प्रताप को हराने के बाद भी अपनी बेटी आर्या की बेहोशी की स्थिति से पीड़ित है। जब प्रताप का भाई राजनाथ लड़कियों के स्कूल पर नया काला जादू करता है, तो अथर्व को बुराई का अंत करने के लिए फिर से लड़ना होगा।

कलाकारः जानकी बोडीवाला, हितू कनोडिया, हितेन कुमार

ओटीटी रिलीज की तारीखः 22 अक्टूबर

ओटीटी प्लेटफॉर्मः नेटफ्लिक्स

दे कॉल हिम ओजी

कहानीः यह एक तेलुगु एक्शन क्राइम फिल्म है जो ओजस ओजी गंभीरा पर केंद्रित है। खूंखार गैंगस्टर जो मुंबई की आपराधिक दुनिया में एक नए दुश्मन का सामना करने के लिए सेवानिवृत्ति

से बाहर आता है। कहानी जापान में एक याकूब छापे से बचने से लेकर 1970 के दशक के बॉम्बे में एक खूंखार नाम बनने तक के उसके उत्थान का पता लगाती है। ओजी क्रूर अपराधी ओमी से बदला लेना चाहता है। भाऊ।

कलाकारः पवन कल्याण, इमरान हाशमी, प्रियंका अरुल मोहन

ओटीटी रिलीज की तारीखः 23 अक्टूबर

ओटीटी प्लेटफॉर्मः नेटफ्लिक्स

नोबडी वांट्स दिस (सीजन 2)

कहानीः जोआन और नोआह प्यार, धर्म और पहचान के बीच संतुलन बनाने की जद्दोजहद करते हैं। नोआह, जोआन पर यहूदी धर्म अपनाने का दबाव डालता है, जिससे तनाव और आत्म-संदेह पैदा होता है। जब जोआन को बेदखल कर दिया जाता है, तो वह नोआह के साथ रहना चाहती है, लेकिन नोआह उसे एक अल्टीमेटम देता है। आहत और उलझन में, वह चली जाती है।

कलाकारः क्रिस्टन बेल, एडम ब्रॉडी, जस्टिन लूप

ओटीटी रिलीज की तारीखः 23 अक्टूबर

ओटीटी प्लेटफॉर्मः नेटफ्लिक्स

**परम सुंदरी**

कहानीः यह हिंदी फिल्म दिल्ली के एक अमीर लड़के परम और केरल की एक साधारण महिला सुंदरी के बीच प्रेम कहानी कहती है। परम अपने पिता के साथ मिलकर फाइंड योर सोलमेट नामक एक डेटिंग ऐप में निवेश करता है। इसे परखने के लिए, उसे एक महीने के भीतर अपना सच्चा साथी ढूंढना होगा। ऐप उसे सुंदरी से जोड़ता है, जो केरल।

पड़ता है। उनके सोरायसिस के एमआरआई के दौरान, डॉक्टरों को तनाव से संबंधित एक छोटे से ब्रेन एन्यूरिज्म का पता चलता है। एक और चौंकाने वाले मोड़ में, जाँचकर्ता किम को बताते हैं कि उनके किसी करीबी ने कथित तौर पर उन्हें नुकसान पहुँचाने की योजना बनाई थी।

कलाकारः किम कार्दशियन, क्लो कार्दशियन, क्रिस जेनर

ओटीटी रिलीज की तारीखः 24 अक्टूबर

ओटीटी प्लेटफॉर्मः जियोहॉटस्टार, हुलु

ए हाउस ऑफ डायनामाइट

कहानीः यह एक अमेरिकी सर्वनाशकारी थ्रिलर है जो एक बड़े शहर की ओर बढ़ रही एक अज्ञात परमाणु मिसाइल के प्रति अमेरिकी सरकार की हताश प्रतिक्रिया पर आधारित है। कहानी वास्तविक समय में 19 मिनट पहले के तनावपूर्ण समय के दौरान सामने आती है। प्रभाव।

कलाकार : इदरीस एल्बा, रेबेका फर्ग्यूसन, जेरेड हैरिस

ओटीटी रिलीज की तारीखः 24 अक्टूबर

ओटीटी प्लेटफॉर्मः नेटफ्लिक्स

शक्ति थिरुमगन (भद्रकाली)

कहानीः शक्ति थिरुमगन (2025) एक तमिल राजनीतिक एक्शन थ्रिलर है, जो किट्टू नामक एक लॉबी एजेंट के बारे में है, जो अपनी माँ की हत्या के पीछे के काले सच का पर्दाफाश करता है। एक कार्यकर्ता द्वारा पाला-पोसा गया, वह तमिलनाडु की राजनीति में एक चतुर लेकिन नैतिक रूप से विवादित सत्ताधारी दलाल के रूप में विकसित होता है। जब विश्वासघात एक गहरी साजिश का पदार्फाश करता है, तो किट्टू न्याय और भ्रष्टाचार के खिलाफ बदला लेने की चाहत रखने वाले एक सजग व्यक्ति में बदल जाता है।

कलाकारः विजय एंटनी, सुनील कृपलानी, वागई चंद्रशेखर

ओटीटी रिलीज की तारीखः 24 अक्टूबर

ओटीटी प्लेटफॉर्मः जियोहॉटस्टार

लोकाह चैप्टर 1: चंद्रा

कहानीः यह मलयालम फंतासी सुपरहीरो फिल्म केरल की लोककथा कल्लियांकट्टु नीली से प्रेरित है। यह बेंगलुरु की एक रहस्यमयी महिला चंद्रा की कहानी है। अंग तस्करी करने वाले एक व्यक्ति द्वारा अपहरण किए जाने के बाद उसे अपनी अलौकिक शक्तियों का पता चलता है।